भाद्रपद कृष्ण - 30 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 41 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 02-09-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हमारे बिहू गीतों को बदलने का प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा : हिमंत

6 अरबपति दानवीर भी बन जाएं तो कुछ बात बने

7 'स्त्री 2' की सुपर सफलता से बेहद खुश हैं श्रद्धा कपूर

फर्स्ट टेक

मणिपुर में उग्रवादियों की गोलीबारी में दो लोगों की मौत, नौ घायल

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में रविवार को संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, उग्रवादियों ने पहाड़ी के ऊपरी इलाके से कोत्रुक और पड़ोसी कडांगबांड के घाटी के निचले इलाकों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी करने के साथ बम से हमले किए। पुलिस ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हो गयी, जबकि नौ अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि उग्रवादियों की गोलाबारी के कारण कई मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि नौ घायलों में से पांच को गोली लगी है, जबकि अन्य को छर्रे लगे हैं। पुलिस ने बताया कि गांव पर अचानक हुए हमले से लोगों में दहशत फैल गई, जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

रूस ने यूक्रेन के 150 से अधिक ड्रोन मार गिराए

मॉस्को/एपी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने रात भर में यूक्रेन के 158 ड्रोन मार गिराए, जिनमें से दो ड्रोन मॉस्को शहर में और नौ मॉस्को के आसपास के क्षेत्र में नष्ट किए गए। यूक्रेन की ओर से बीती रात किए गए ड्रोन हमलों को उसकी ओर से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला बताया जा रहा है। कुर्स्क क्षेत्र में 46 ड्रोन नष्ट किए गए, जहां यूक्रेन ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से रूसी सरजमीं पर सबसे बड़े आक्रमण के तहत हाल के सप्ताहों में अपने सैनिकों को भेजा है। चौतीस और ड्रोन ब्रायंस्क क्षेत्र में नष्ट किए गए, 28 से अधिक ड्रोन वोरोनेझ क्षेत्र तथा 14 ड्रोन बेलगोरोद क्षेत्र में नष्ट किए गए, जिनकी सीमा यूक्रेन से लगती है। रूस के अंदरुनी क्षेत्र में भी ड्रोन नष्ट किए गए, जिनमें से एक-एक ड्रोन उत्तर-पश्चिमी मॉस्को के त्वेर क्षेत्र तथा उत्तर-पूर्वी मॉस्को के इवानोवो क्षेत्र में नष्ट किया गया।

'रूसी जासूस' व्हेल नार्वे की जलसीमा में मृत मिली

हेलसिंकी/एपी। पहली बार रूसी जलक्षेत्र के पास नॉर्वे में उपकरण के साथ देखी गई ''ह्वाल्डिमिर'' नामक सफेद बेलुगा व्हेल मृत पाई गई है। उसके बारे में अफवाह थी कि वह रूस की जासूस हो सकती है। नॉर्वे के सरकारी प्रसारक एनआरके ने बताया कि व्हेल का शव शनिवार को दक्षिणी नॉर्वे के रिसाविका खाड़ी में मछली पकड़ रहे पिता और पुत्र को बहता दिखा।

02-09-2024 सूर्यास्त 6:29 बजे | 03-09-2024 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
82,365.77 (+231.16)	25,235.90 (+83.95)

सोना	चांदी
7,531 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	86,409 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आवारा पशुधन

बाधित हैं सारे राजमार्ग,
सड़कों पर बैठा है पशुधन।
आवारा गौ और वत्स त्रस्त,
बिन मालिक फिरते हैं वन-वन।
पाले अब इनको कौन व्यर्थ,
पर्याप्त नहीं है संसाधन।
नित होती दुर्घटनाओं से,
आतंकित है सारा जन-मन।।

अदालतों में 'स्थगन की संस्कृति' को बदलने का आह्वान किया राष्ट्रपति ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में अदालती फैसलों में देरी से आम आदमी को लगता है कि न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता का अभाव है। साथ ही, उन्होंने अदालतों में 'स्थगन की संस्कृति' में बदलाव का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि लंबित मामले न्यायपालिका के समक्ष एक बड़ी चुनौती हैं। मुर्मू ने जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, ''जब बलात्कार जैसे जघन्य अपराध में अदालती फैसले एक पीढ़ी बीत जाने के बाद आते हैं, तो आम आदमी को लगता है कि न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता का अभाव है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि लंबित मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत सप्ताह जैसे कार्यक्रम अधिक बार आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, ''सभी हितधारकों को इस समस्या को प्राथमिकता देकर इसका समाधान ढूंढना होगा।''

मुर्मू ने अफसोस जताते हुए कहा, ''कुछ मामलों में, साधन संपन्न लोग अपराध करने के बाद भी बेखौफ और खुलेआम घूमते रहते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि गांवों के गरीब लोग अदालत जाने से डरते हैं। राष्ट्रपति ने यहां भारत मंडपम में उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''वे अदालत की न्याय प्रक्रिया में बहुत मजबूरी में ही भागीदार बनते हैं। अक्सर वे अन्याय को चुपचाप सहन कर लेते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि न्याय के लिए लड़ना उनके जीवन को और अधिक दयनीय बना सकता है।'' उन्होंने कहा कि गांव से दूर एक बार भी अदालत जाना ऐसे लोगों के लिए मानसिक और आर्थिक रूप से बहुत बड़ा दबाव बन जाता है। उन्होंने कहा, ''ऐसी स्थिति में कई लोग कल्पना भी नहीं कर सकते कि स्थगन की संस्कृति के कारण गरीब लोगों को कितना दर्द होता है। इस स्थिति को बदलने के लिए हर संभव उपाय किए जाने चाहिए।''

राष्ट्रपति ने कहा कि बहुत से लोग ''व्हाइट कोट हाइपरटेंशन'' के बारे में जानते हैं, जिसके कारण अस्पताल के माहौल में लोगों का रक्तचाप बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, इसी तरह, अदालती माहौल में एक आम व्यक्ति का तनाव बढ़ जाता है, जिसे ''ब्लैक कोट सिंड्रोम'' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि इस घबराहट के कारण आम लोग अक्सर अपने पक्ष में वे बातें भी नहीं कह पाते जो वे पहले से जानते हैं और कहना चाहते हैं। मुर्मू ने कहा कि देश के हर न्यायाधीश और न्यायिक अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे धर्म, सत्य और न्याय का सम्मान करें।

मुर्मु ने सुप्रीम कोर्ट के ध्वज व प्रतीक चिन्ह का किया अनावरण

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इसके ध्वज और प्रतीक चिन्ह का रविवार को अनावरण किया। श्रीमती मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय की ओर से आयोजित जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर ध्वज और प्रतीक चिन्ह विमोचन किया। प्रतीक चिन्ह के तौर पर अशोक चक्र, उच्चतम न्यायालय भवन और भारत के संविधान के प्रतीक स्वरूप किताब की आकृति शामिल हैं।

फिल्म 'इमरजेंसी' के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करेगा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय

जबलपुर/भाषा। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय सोमवार को एक सिख संगठन की याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत की आगामी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज को रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। फिलहाल फिल्म रिलीज करने के लिए सेंसर बोर्ड की मंजूरी की प्रतीक्षा की जा रही है। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद रनौत ने छह सितंबर को रिलीज होने वाली फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई है। याचिकाकर्ता के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता एन.एस. रूपराह ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जबलपुर सिख संगत ने फिल्म के खिलाफ उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की है, जिसमें दावा किया गया है कि यह समाज के लिए हानिकारक है।

देश में 'कवच' को तेजी से लागू किया जाएगा : रेल मंत्री वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि देश में विकसित टक्कर-रोधी प्रणाली 'कवच' जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकी को अब तेजी से लागू किया जाएगा।

वैष्णव ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तीन वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने से पहले अपने स्वागत भाषण में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि भारत ने तीसरी बार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को चुना है, जो निर्णायक और दूरदर्शी है और इसका प्रभाव रेलवे सहित जीवन के हर पहलू में दिखाई देता है।

वैष्णव ने आरोप लगाया कि रेलवे जैसे तकनीकी संगठन का राजनीतिकरण किया गया था। उन्होंने कहा, इसमें हमेशा प्रौद्योगिकी एवं निवेश की कमी रही और दशकों तक कुछ भी नहीं बदला।

रेल मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने इसमें व्यापक बदलाव किए। रेलवे में निवेश दस गुना बढ़ा। उन्होंने हमें नई प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और सबसे बढ़कर उन्होंने हमारी मानसिकता बदल दी।

मंत्री ने विभिन्न पहल का उल्लेख करते हुए पटरियों का विद्युतीकरण, वंदे भारत रेलगाड़ियों की शुरुआत, वंदे मेट्रो का परीक्षण और टक्कर-रोधी प्रणाली कवच लागू करने को रेखांकित किया।

'कवच' प्रणाली लोको पायलट द्वारा ब्रेक लगाने में विफल रहने की स्थिति में स्वचालित रूप से ब्रेक लगाकर ट्रेन को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर चलाने में सहायक होता है। साथ ही इस प्रणाली के जरिये खराब मौसम के दौरान ट्रेन को सुरक्षित रूप से चलाने में भी मदद मिलती है।

कोई संत या योगी सत्ता का कभी गुलाम नहीं हो सकता : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंदौली, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि कोई संत, महात्मा और योगी कभी भी सत्ता का गुलाम नहीं हो सकता।

मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को अघोराचार्य बाबा कीनाराम की यहां स्थित जन्मस्थली पर आयोजित 425 वें अवतरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा,''कोई संत, महात्मा और योगी कभी भी सत्ता का गुलाम नहीं हो सकता। बल्कि वह अपने कदमों पर समाज को चलने के लिए प्रेरित करता है। यही कार्य बाबा कीनाराम ने आज से चार सौ पच्चीस वर्ष पहले जन्म लेकर दिव्य साधना के माध्यम से सबके सामने प्रस्तुत किया था।''

लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने बाबा कीनाराम के श्री चरणों में कोटि-कोटि नमन अर्पित करते हुए कहा कि मेरा कार्यक्रम तो सोनभद्र में था मगर उनकी कृपा से मुझे यहां आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वे जन्म से ही एक दिव्य विभूति थे।

मुख्यमंत्री ने संत कीनाराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा,'' एक कुलीन परिवार में उनका जन्म हुआ। साधना के माध्यम से उन्होंने सिद्धि प्राप्त की। सिद्धि प्राप्त करने के बाद अक्सर होता है कि व्यक्ति मद में कुछ नहीं देखता, किसी को कुछ नहीं समझता। लेकिन, बाबा ने अपनी साधना व सिद्धि का उपयोग राष्ट्र व लोक कल्याण के लिए किया।''

करोड़ों रुपए के जुआ गिरोह का सरगना संयुक्त अरब अमीरात में गिरफ्तार, गुजरात लाया गया

अहमदाबाद (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), गुजरात पुलिस और इंटरपोल एनसीबी-अबू धाबी संयुक्त अरब अमीरात में पकड़े गए 2,273 करोड़ रुपए से अधिक के जुआ गिरोह के एक कथित सरगना को रविवार को वापस लेकर आए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सीबीआई ने एक बयान में बताया कि गुजरात पुलिस द्वारा आपराधिक विश्वास भंग, धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक षडयंत्र, सबूतों को गायब करने तथा सूचना प्रौद्योगिकी कानून और जुआ रोकथाम कानून के तहत अपराधों में वांछित आरोपी दीपक कुमार धीरजलाल ठक्कर के खिलाफ एक रेड नोटिस जारी किया गया था।

कोलकाता दुष्कर्म, हत्या पर

उप राष्ट्रपति ने कुछ एनजीओ की चुप्पी पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला चिकित्सक से कथित दुष्कर्म एवं हत्या के मामले में कुछ गैर सरकारी संगठनों की चुप्पी पर सवाल उठाए और उस घटना को 'चरम सीमा पर व्यक्त की गयी बर्बरता' बताया।

ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने यह भी कहा कि ऐसी बर्बर घटनाए पूरी सभ्यता को शर्मसार कर देती हैं और उस आदर्श को खंडित कर देती हैं जिसके लिए भारत जाना जाता है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।

गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) के चयनात्मक मौन की आलोचना करते हुए धनखड़ ने कहा कि छोटी-छोटी घटनाओं पर शोर मचाने वाले कुछ गैर सरकारी संगठन आज 'शांत अवस्था' में हैं।

उप राष्ट्रपति ने कहा, ''उनकी चुप्पी नौ अगस्त 2024 को हुए इस जघन्य अपराध के अपराधियों के कृत्य से भी बदतर है।'' उन्होंने कहा,'' जो लोग राजनीति करना चाहते हैं और अच्छे अंक बनाना चाहते हैं, वे अपनी अंतरात्मा की आवाज का जवाब नहीं दे रहे हैं।''

उप राष्ट्रपति ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोग इस घटना पर अपने बयानों से जख्मों पर नमक छिड़कने का काम भी कर रहे हैं। एक सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा घटना को 'सिम्पटोमेटिक मलाइस' बताये जाने का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, '' मैं ऐसी गुमराह आत्माओं से अपने विचारों पर दोबारा विचार करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का आह्वान करता हूं।''

धनखड़ ने कहा कि यह समय राजनीतिक चश्मे से देखने का नहीं है। उन्होंने कहा, ''राजनीतिक चश्मा खतरनाक होता है और आपकी निष्पक्षता को खत्म कर देता है।'' उन्होंने कहा, हमारी सभ्यता और लोकतांत्रिक मूल्य उस सम्मान से परिभाषित किए जाएंगे जो हम अपनी महिलाओं और लड़कियों को देते हैं। धनखड़ ने कहा कि जिसने भी यह किया है, उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा, लेकिन समाज को भी इसके लिए जवाबदेह माना जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता।

'उपद्रवियों को भाजपा से मिली है हुड़दंग मचाने की खुली छूट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से उपद्रवियों को हुड़दंग मचाने की खुली छूट मिली है इसलिए वे देश में भय और नफरत का माहौल फैलाने के काम में जुटे हैं।

गांधी ने कहा,नफ़रत को राजनीतिक हथियार बनाकर सत्ता की सीढ़ी चढ़ने वाले देश भर में लगातार भय का राज स्थापित कर रहे हैं। भीड़ की शक्ल में छिपे हुए नफरती तत्व कानून के राज को चुनौती देते हुए खुलेआम हिंसा फैला रहे हैं। उन्होंने कहा,भाजपा सरकार से इन उपद्रवियों को खुली छूट मिली हुई है, इसीलिए उनमें ऐसा कर पाने का साहस पैदा हो गया है। अल्पसंख्यकों, खास कर मुसलमानों पर लगातार हमले जारी हैं और सरकारी तंत्र मूक दर्शक बना देख रहा है। ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई कर कानून का इकबाल क़ायम किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा,भारत की सांप्रदायिक एकता और भारतवासियों के अधिकारों पर किसी भी तरह का हमला संविधान पर हमला है जो हम बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। भाजपा कितनी भी कोशिश कर ले - नफरत के खिलाफ भारत जोड़ने की इस ऐतिहासिक लड़ाई को हम हर हाल में जीतेंगे।

वंदे भारत स्लीपर की शीघ्र मिलेगी सौगात, 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी ट्रेन

बेंगलूरु/एजेन्सी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि वंदे भारत के बाद भारतीय रेलवे के नक्शे पर बहुत जल्द वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का संचालन शुरू किया जायेगा और इसकी अधिकतम गति 160 किलोमीटर होगी।

वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन की तरह वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का निर्माण भी स्वदेशी तकनीक से किया जा रहा है। इस ट्रेन में यात्री सुरक्षा के साथ लोको कैब को बेहतर बनाया गया है तथा लोको पायलट और अटेंडेंट्स की सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा गया है। इसके साथ ही यह ट्रेन टक्कर रोधी कवच प्रणाली से लैस है। उन्होंने बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का डिजाइन और इसका इंटीरियर काफी आकर्षक और इसमें विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। इस ट्रेन में यूएसबी चार्जिंग प्रावधान के साथ एकीकृत रीडिंग लाइट, सार्वजनिक घोषणा और विजुअल इन्फॉर्मेशन प्रणाली, इनसाइड डिस्प्ले पैनल और सिक्योरिटी कैमरे तथा मॉड्यूलर पेंट्री की सुविधा है। इसके साथ ही दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष बर्थ और शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं।

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने वायुसेना के उप प्रमुख का पदभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने रविवार को भारतीय वायुसेना के उप प्रमुख (डीसीएएस) का पदभार संभाला। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

वायु सेना मुख्यालय (वायु भवन) में पदभार ग्रहण करने के बाद एयर मार्शल ने यहां स्थित राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र रहे एयर मार्शल तेजिंदर को 13 जून 1987 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में नियुक्त किया गया था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह 4,500 घंटे से अधिक के उड़ान अनुभव के साथ श्रेणी 'ए' के योग्य फ्लाइंग प्रशिक्षक हैं तथा रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज एवं राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने एक लड़ाकू स्क्वाड्रन, एक रडार स्टेशन, एक प्रमुख फाइटर बेस की कमान संभाली और वह जम्मू-कश्मीर के एयर ऑफिसर कमांडिंग थे।

मनस् क्रांति का प्रतीक है पर्युषण पर्व : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने रविवार को कहा कि आडंबरों से धर्म की प्रभावना नहीं होगी, घर-घर और जन-जन तक धर्म के विश्वकल्याणकारी सिद्धांतों को पहुंचाना होगा। ऐसा करने के लिए तन, मन, धन और समय का बलिदान देना पड़ता हैं। सिर्फ बातों और तालियों से बदलाव नहीं आ जाते। इस संबंध में ज्यादातर लोग उदासीन और निष्क्रिय हैं। जितना परिवार और व्यापार के लिए लोग मरते-मिटते हैं, उसकी तुलना में धर्म या ज्ञान के प्रचार के लिए योगदान नहीं के बराबर है। सोशल मीडिया में सिर्फ मैसेज फॉरवर्ड करने से सामाजिक या वैचारिक क्रांति नहीं हो जाती। जैनाचार्य ने कहा कि पर्युषण खाने-पीने, घूमने-फिरने, नाचने-खेलने, सजने-संवरने, मौज-मस्ती करने, नये कपड़े पहनने आदि लौकिक गतिविधियों के लिए नहीं है। यह आध्यात्मिक उन्नति के लिए है। शास्त्रीय परिभाषा में इसे पुण्य का पोषक और पाप का शोषक कहा गया है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धन-वैभव और साधन-सामग्रियों से हम बाह्य संसार को कितना भी भर दें, जब तक भीतर खालीपन होगा, सारी भौतिक उपलब्धियां व्यर्थ सिद्ध होगी। मनुष्य का मन क्रांत होना चाहिए। बाहरी क्रांतियां तो विवाद, हिंसा, असंतोष और विनाश के अतिरिक्त नहीं नहीं ले जाती। आधुनिक मनुष्य बाहर से सब-कुछ जीत रहा है, प्राप्त कर रहा है। फिर भी वो अतृप्त है, खाली का खाली है, अपने आप से परास्त हो रहा है। पर्युषण पर्व बाहरी जगत् से हटने और भीतरी जगत् में गहरे उतरने की प्रेरणा देता है। इसी अर्थ में यह मनस् क्रांति का पर्व है।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान और प्रवीण दांतेवाडिया ने बताया कि यहां शिक्षक सदन में पर्युषण महापर्व के निमित्त पौषध व्रत, सवेरे शाम सामूहिक प्रतिक्रमण, प्रभुपूजा, धर्मसभा, आयंबिल व एकासना, सामयिक, गुरुवंदन, प्रत्याख्यान, संघपूजन आदि सभी क्रियाकलाप अत्यंत उत्साह पूर्वक आयोजित हो रहे हैं। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि तीसरे तपोत्सव में 135 से अधिक टीनएजर्स और युवा साधक 8 से 16 उपवास की तपस्या कर रहे हैं।

द्वेष से हिंसक भावना बढ़ती है और अपनत्व घटता है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि द्वेष मन का कचरा है और कचरा वातावरण को बिगाड़ता है। आज आर्थिक समृद्धि तो बढ़ रही है किंतु मानसिक विपन्नता भी बढ़ रही है और खून के रिश्ते नीरस हो रहे हैं। पर्युषण पर्व के प्रथम दिन अंतगड दशा सूत्र का वाचन करते हुए विनयमुनिजी ने कहा कि संप्रदायवाद ने आज संतों में भी द्वेष बढ़ा दिया है। हमने अपना एक घर और माता पिता को छोड़ दीक्षा ली कि आत्मा का उद्धार करेंगे। परंतु हर संघ में संत भी मात्र अपनों को ढूंढने लग गए। यह राग द्वेष का चश्मा आज समस्या बन गया है। द्वेष से हिंसक भावना बढ़ती है और अपनत्व घटता है। समता भाव मंद पड़ते हैं। उन्होंने आज के खान पान की विकृति पर कहा कि रेडीमेड संस्कृति में आलस बढ़ रहा हैं और शुद्धता घट रही है। घर में हाथ से बनने वाले आहार में वात्सल्य, प्रेम, शुभ और शुद्ध भावना का मिश्रण होता था। अब हवा पानी आहार और वाणी सभी अशुद्ध हो गए हैं। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभा का संचालन किया। संघ मंत्री संपतराज मांडोत ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

सिद्धचक्र महापूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी, मुनिश्री निर्मोहप्रभविजयजी व साध्वीश्री की निश्रा में चिकपेट आदिनाथ दादा के दरबार में पर्युषण महा पर्व के द्वितीय दिवस पर रमेशकुमार गेनमल गादिया परिवार की कमलादेवी एवं लक्षा गादिया के 500 आयंबिल की तपस्या के पूर्णाहुति के निमित्त सिद्धचक्र महापूजन का आयोजन किया गया। विजय लब्धिसूरी जैन संगीत मंडल ने भक्ति की प्रस्तुति दी तथा विधिकारक अलपेश गुरूजी द्वारा विधि विधान किया गया।

'महापुरुषों का जीवन चरित्र सुनना है पर्युषण का संदेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में पर्युषण पर्व प्रसंग पर महावीर भवन में परंपरागत अंतगड दशा सूत्र का वाचन और विवेचन करते हुए स्वाध्यायी अभयकुमार बांठिया ने कहा कि यह सूत्र तीर्थंकर महावीर की वाणी है जिसमे 90 विशिष्ट चारित्र आत्माओं के मोक्ष यात्रा का रोचक वर्णन है। पर्युषण का संदेश है कि हम महापुरुषों का जीवन चरित्र सुने, चिंतन करें और अपनी आत्मा के शुद्धिकरण का प्रयास करें। महापुरुषों ने साधना को साधन बनाया और लक्ष्य को साध लिया। जिस संसार को हम असार कहते हैं उसी संसार में से इन्होंने सार निकाल लिया। पर्युषण पर्व मन के प्रदूषण से हमको बचाने आते हैं और माफी मांगने का संदेश ले कर आते हैं।

अंतगड सूत्र में राजा, राजकुमार से लेकर आम व्यक्ति का वर्णन है जिन्होंने प्रभु की वाणी सुनी। शरीर का पूरा कस निकाल कर समाधि मरण से सारे कर्मों को काट कर मोक्ष को प्राप्त किया। मंगल पाठ और प्रत्याख्यान के साथ विवेचन संपन्न हुआ।

आंध्र प्रदेश में भारी बारिश के कारण 294 गांवों से 13,227 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

अमरावती,/भाषा

आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलापुड़ी अनिता ने रविवार को बताया कि राज्य में पिछले दो दिनों में मूसलाधार बारिश के कारण पांच जिलों के 294 गांवों से 13,227 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौसम की स्थिति की समीक्षा की और उनसे बाढ़ का आकलन करने तथा उसके अनुसार राहत एवं बचाव अभियान संचालित करने के लिए ड्रोन जैसी प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करने के लिए कहा है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने बताया कि उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तटों पर बना अवदाब रविवार तड़के उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़कर कलिंगपट्टनम के पास दक्षिणी राज्य के तट को पार कर गया। इसी के कारण राज्य में पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही थी।

गृह मंत्री वंगलापुड़ी अनिता ने बताया कि बारिश से प्रभावित इलाकों से निकाले गए लोगों के लिए एनटीआर, कृष्णा, बापटला, गुंटूर और पालनाडु जिलों में 100 राहत एवं पुनर्वास केंद्र बनाए गए हैं। साथ ही 61 चिकित्सा शिविरों की भी व्यवस्था की गई है।

गृह मंत्री ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, भारी बारिश के कारण अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के दलों ने जलमग्न इलाकों से 600 लोगों को बचाया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के 17 दलों ने सात जिलों में 22 जलमग्न स्थानों पर बचाव अभियान चलाया।

प्रारंभिक अनुमानों का हवाला देते हुए अनिता ने बताया कि बारिश के कारण 62,644 हेक्टेयर धान की फसल और 7,218 हेक्टेयर बाग जलमग्न हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि सभी जिलों में टोल फ्री नंबर और नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। साथ ही स्थिति पर नजर रखने के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौसम की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें बताया गया कि बापटला जिले में प्रकाशम बैराज के मुहाने पर रहने वाले 6,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

नायडू ने बताया कि 31 अगस्त की तुलना में रविवार को कम बारिश हुई, लेकिन कुछ कॉलोनियों और घरों में अब भी पानी भरा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ स्थानों पर 27 सेमी तक बारिश हुई है। नायडू ने अधिकारियों को इन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में ऐसी रिकॉर्ड बारिश नहीं देखी गई थी।

नायडू ने अधिकारियों को बाढ़ का आकलन करने और उसके अनुसार राहत एवं बचाव अभियान चलाने के लिए ड्रोन जैसी प्रौद्योगिकियों को शामिल करने की सलाह दी है। साथ ही उन्होंने बाढ़ के कारण होने वाले खाद्य संकट और जल प्रदूषण के प्रति सावधान रहने का भी निर्देश दिया है।

माहेश्वरी सभा की 49वीं वार्षिक साधारण सभा का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवलकिशोर मालू, माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष श्वेता बियानी, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन मोहनलाल माहेश्वरी, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा तथा माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के उपाध्यक्ष महेश रांदड़ ने सभा की 49वीं वार्षिक साधारण सभा का शुभारंभ भगवान महेश का पूजन, दीप प्रज्वलन से किया। संजय साबू, सत्यनारायण मालानी, रमेश चांडक, हरीश तापडिया एवम ओमप्रकाश राठी ने महेश वंदना की प्रस्तुति दी। सहसचिव राजेश मारू द्वारा सभा का आरंभ किया गया। अध्यक्ष नवलकीशोर मालू ने सभागार में उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया और आग्रह किया कि अपने परिवार के बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोंड़े जिससे हम अपने संस्कार और संस्कृति को बचा सकते हैं और इससे समाज का भी भविष्य उज्ज्वल बनेगा। सचिव अजय राठी ने पिछली वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही प्रस्तुत की। तथा वर्ष 2023-24 के प्रतिवेदन की प्रस्तुति दी। कोषाध्यक्ष राजगोपाल मर्दा ने आय व्यय का ब्योरा दिया।

सभा से जुडी अन्य संस्थाओं ने भी इस अवसर अपने अपने प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। सुनीता लाहोटी ने माहेश्वरी महिला संगठन की, आयुषी काबरा ने माहेश्वरी युवा संघ, मैनेजिंग ट्रस्टी गोपालदास ईनानी ने माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, नंदकिशोर दरक ने माहेश्वरी फाउंडेशन तथा उपाध्यक्ष महेश रांदड़ ने माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वर्ष 2024-25 हेतु मानद अंकेक्षक प्रकाशचंद एंड कम्पनी को नियुक्त किया गया।

अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। सहसचिव राजेश मारू ने कार्यक्रम का संचालन तथा सहकोषाअध्यक्ष विनीत कुमार बियानी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

चित्रगुप्त पूजा कल, तैयारी बैठक आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के बिहार भवन में दि चित्रगुप्त सोसायटी ऑफ बेंगलूरु ट्रस्ट के कार्यकारिणी समिति की पहली पूजा बैठक धनेशसिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। संस्था के अध्यक्ष मुकेश कर्ण ने बताया कि आगामी चित्रगुप्त पूजा 3 नवम्बर को आरटी नगर स्थित गणेश मंदिर विनायक कल्चर सेंटर में मनाया जाएगा। बैठक में पूजा के संबंध में गहन चर्चा हुई। बैठक में एके सिन्हा,बसंतकुमार, जीपी माथुर सहित अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

इंदौर की देवी अहिल्याबाई की याद में देश भर में आयोजन करेगी मध्यप्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री

इंदौर,/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को घोषणा की कि इंदौर के पूर्व होलकर राजवंश की शासक देवी अहिल्याबाई के जीवन के प्रेरणादाई पक्षों को सबके सामने लाने के लिए राज्य सरकार देश भर में कार्यक्रम आयोजित करेगी।

यादव ने देवी अहिल्याबाई की 229वीं पुण्यतिथि पर इंदौर में आयोजित एक समारोह में कहा कि प्रदेश सरकार ने देवी अहिल्याबाई उत्सव समिति बनाई है और इसके तहत आने वाले वक्त में देश भर में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा,''हम इन कार्यक्रमों के जरिये देवी अहिल्याबाई के जीवन के विविध पक्षों को सबके बीच ले जाएंगे ताकि सबको उनसे प्रेरणा मिल सके। यादव ने बताया कि उन्होंने राज्य सरकार की देवी अहिल्याबाई उत्सव समिति के सदस्यों के नामों को रविवार को ही मंजूरी दी है और सोमवार को इनकी विधिवत घोषणा की जाएगी।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार देवी अहिल्याबाई की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अशासकीय क्षेत्र में चल रहे प्रकल्पों में भी हरसंभव सहयोग करेगी।

यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने देश भर के हिंदू तीर्थस्थलों में धार्मिक और परमार्थिक काम करके पश्चिमी मध्यप्रदेश के मालवा अंचल का मान-सम्मान बढ़ाया और मुगल शासकों को चुनौती देते हुए सनातन धर्म की पताका फहराई।

उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई के जीवन में निजी कष्टों और चुनौतियों का अम्बार था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इंदौर के तत्कालीन होलकर राजवंश की शासक के तौर पर सुशासन और सुप्रबंधन की नजीर पेश की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने सामाजिक भेदभाव मिटाने और नारी सशक्तिकरण की दिशा में भी काम किया और उन्होंने अपनी सेना में पहली बार महिलाओं का दस्ता बनाया था।

दोषियों के लिए मृत्युदंड के आश्वासन के कारण भीड़तंत्र स्थापित हो रहा: न्यायमूर्ति ओका

पुणे (महाराष्ट्र),/भाषा

उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति अभय ओका ने रविवार को कहा कि नेताओं द्वारा कुछ घटनाओं का फायदा उठाए जाने और दोषियों के लिए मृत्युदंड का आश्वासन दिए जाने के कारण ''भीड़तंत्र'' स्थापित हो रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल न्यायपालिका ही कानूनी फैसले दे सकती है।

पुणे में महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल द्वारा आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति ओका ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखने और शीघ्र न्यायपूर्ण निर्णय देने के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ मामलों में जमानत देने को लेकर न्यायपालिका की अकारण आलोचना की जाती है। न्यायमूर्ति ओका ने संविधान के पालन को सुनिश्चित करने में वकीलों और न्यायपालिका की भूमिका को रेखांकित किया।

न्यायमूर्ति ओका ने कहा, यदि न्यायपालिका का सम्मान किया जाना है तो इसकी स्वतंत्रता बरकरार रहनी चाहिए। संविधान का पालन तभी होगा जब वकील और न्यायपालिका संवेदनशील रहेंगे। न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखने में वकीलों की प्रमुख भूमिका होती है और उन्हें यह जिम्मेदारी निभानी चाहिए, अन्यथा लोकतंत्र नहीं बचेगा।

उन्होंने सार्वजनिक विमर्श की मौजूदा दिशा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एक ''भीड़तंत्र'' बनाया जा रहा है, जिसमें नेता कुछ घटनाओं का लाभ उठाते हैं और लोगों को दोषियों के लिए मृत्युदंड का आश्वासन देते हैं, जबकि कानूनी फैसले देने का अधिकार केवल न्यायपालिका के पास है।

न्यायमूर्ति ओका ने कहा, हमने भीड़तंत्र बना दिया है। जब कोई घटना होती है, तो राजनीतिक लोग इसका फायदा उठाते हैं। नेता उस विशेष स्थान पर जाते हैं और लोगों को आश्वासन देते हैं कि आरोपी को मौत की सजा दी जाएगी, लेकिन निर्णय लेने का अधिकार न्यायपालिका के पास है।

उन्होंने किसी विशेष घटना का जिक्र नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी कोलकाता में बलात्कार और हत्या की घटना तथा महाराष्ट्र के बदलापुर में एक स्कूल में दो बच्चियों के कथित यौन शोषण की पृष्ठभूमि में आई, जहां दोषियों को सख्त सजा देने की मांग उठी है।

न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि कुछ मामलों में जमानत दिए जाने पर न्यायपालिका पर ''बिना किसी कारण के आलोचनाओं की बौछार'' हो जाती है।

साधनों को नहीं, साधना को बढ़ाएं : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में राजेशमुनिजी ने जैन धर्म के सबसे बड़े महापर्व पर्युषण के प्रथम दिवस पर पर्युषण महापर्व का महत्व बताया। मुनिश्री ने कहा कि यह पर्व हमें आत्मा में रमण करने की प्रेरणा देता है। बाहर की दुनिया से अपना ध्यान हटाकर अंतर जगत को पापों से मुक्त करने का संदेश देता है। यदि हम धर्म कला में निपुण हो जाएं तो बाकी कलाएं स्वतः ही समाहित हो जाएगी। हमें अपने साधनों को नहीं अपनी साधना को बढ़ाना है जैन धर्म के सिद्धांतों के अनुरूप अपना जीवन जीना है।

मैत्रीभाव का महत्व बताते हुए कहा कि यही वह औजार है जिससे कषायरुपी प्रदूषण को समाप्त किया जा सकता है। मुनिश्री ने कहा कि हमारी वाणी और विचार ऊंचे होंगे तो हम प्रतिष्ठित पुरुषों की श्रेणी में आएंगे। दूसरों पर अनुशासन करने के लिए पहले स्वयं को अनुशासित बनाना होगा। जो गुणी बन जाएगा वह बड़ा बन जाएगा। दया, करुणा और प्रेम ही हमारे जीने का आधार हो।

ऋषभ मुनिजी ने भी धर्मसभा में विचार व्यक्त किए। धर्मसभा में भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। संचालन करते हुए संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने बताया कि पर्युषण के दौरान मुनि का प्रवचन स्थानक में ही रहेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
बिकाऊ
FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to **Magadi road Metro station**
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

बच्चों में गैर संचारी रोग : यूनिसेफ ने सरकार की मदद करने की योजना बनाई

नई दिल्ली,/भाषा

वैश्विक स्तर पर बच्चों के लिए काम करने वाले संयुक्त राष्ट्र के संगठन यूनिसेफ ने बच्चों में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) को लेकर बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए सरकार से सहयोग करने की योजना बनाई है। भारत में यूनीसेफ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. विवेक वीरेंद्र सिंह ने यह जानकारी दी। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में पर्यावरण क्षरण, जलवायु परिवर्तन और बच्चों में गैर-संचारी रोगों के बीच अंतर्संबंध के मुद्दे को तत्काल देखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। यूनिसेफ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ ने कहा कि सरकार विशेष रूप से बच्चों में गैर-संचारी रोगों को लक्षित करते हुए अतिरिक्त दिशा-निर्देश तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ इन दिशा-निर्देशों को भारत के सभी राज्यों में प्रभावी रूप से प्रसारित करने के लिए सरकार को सहयोग देने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि इन दिशानिर्देशों से बच्चों में एनसीडी की रोकथाम और प्रबंधन के लिए जिला स्तर पर 800 से अधिक एनसीडी क्लीनिक और उप-जिला स्तर पर 2,000 से अधिक एनसीडी क्लीनिक के भारत के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाने में मदद मिलेगी। सिंह ने कहा कि यह दिशानिर्देश विभिन्न कार्यक्रमों और क्षेत्रों में एकीकरण का अवसर भी प्रदान करेगा, उदाहरण के लिए, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के आईसीडीएस (एकीकृत बाल विकास सेवा) कार्यक्रम। उन्होंने कहा कि सरकार की यह पहल भारत की स्वास्थ्य रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है क्योंकि पिछले साल गैर-संचारी रोगों के लिए संशोधित राष्ट्रीय कार्यक्रम में बाल चिकित्सा देखभाल को शामिल करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया।

सिंह ने कहा कि 2023 में, भारत ने गैर-संचारी रोगों के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए अपने परिचालन दिशानिर्देशों को अद्यतन किया और एनसीडी को शामिल करने के लिए दायरे को व्यापक बनाया जो शुरू में कैंसर, मधुमेह और उच्च रक्तचाप पर केंद्रित था।

बैडमिंटन

नई दिल्ली में रविवार को केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच अबंतिका डेका की उपस्थिति में दूसरी राष्ट्रीय बार और बेंच बैडमिंटन चैंपियनशिप को संबोधित करते किया।

रेल मंत्री ने 'वंदे भारत' स्लीपर ट्रेनसेट का अनावरण किया

■ भारत में पहली बार बीईएमएल ने किया निर्माण
■ यात्रियों को मिलेंगी कई खास सुविधाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बीईएमएल के बेंगलूरु रेल परिसर में 'वंदे भारत' स्लीपर ट्रेनसेट का अनावरण किया। देश में पहली बार इसका निर्माण किया गया है। यह भारत की अग्रणी रेल और मेट्रो निर्माता कंपनी बीईएमएल के लिए महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसने अपने परिसर में स्वदेशी रूप से ट्रेनसेट को 9 महीनों में डिजाइन और निर्मित किया है।

वैष्णव ने बीईएमएल के परिसर के पास 9.2 एकड़ में फैली एक नई हैंगर सुविधा का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। यह मानक और ब्रॉड-गेज रोलिंग स्टॉक के लिए समर्पित है, जिससे बीईएमएल की वैश्विक पहुंच का और विस्तार होगा। इस कार्यक्रम में रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ सतीश कुमार, बीईएमएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शांतनु रॉय, भारतीय रेलवे और सवारी डिब्बा कारखाने के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन

बता दें कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट को बीईएमएल द्वारा बहुत खूबसूरती से डिजाइन किया गया है। इस ट्रेनसेट में ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल किया गया है। यह यात्रियों की सुरक्षा को अधिकतम करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए क्रैश बफर्स और कपलर जैसी सुविधाओं से लैस है। ट्रेनसेट में प्रयुक्त सामग्री और घटक उच्चतम अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं तथा सख्त ईएन45545 एचएल3 ग्रेड जरूरतों को पूरा करते हैं।

विश्व स्तरीय सुविधाओं और बेहतरीन इंटीरियर से निर्मित वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट भारत की रेल क्षमताओं में एक बड़ा कदम है, जो यात्रियों को यूरोपीय मानकों के बराबर अनुभव प्रदान करती है। यह परियोजना रेल परिवहन में नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति बीईएमएल की प्रतिबद्धता को जाहिर करती है।

देश के लिए ऐतिहासिक क्षण

कार्यक्रम में अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'यह देश के लिए एक

ऐतिहासिक क्षण है। बहुप्रतीक्षित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन अब भारतीय पटरियों पर दौड़ने के लिए तैयार है, जो लोगों को विश्व स्तरीय यात्रा का अनुभव और सर्वोत्तम सुविधाएं देगी। बीईएमएल के नेतृत्व और इंजीनियरों के समर्पण एवं विशेषज्ञता ने इस उपलब्धि को संभव बनाया है।' शांतनु रॉय ने कहा, 'पिछले छह दशकों में शीर्ष स्तरीय रेल कोच निर्माण की हमारी समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाते हुए बीईएमएल ने एक बार फिर रेल निर्माण में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है, जिससे देश गौरवान्वित हुआ है। यह परियोजना आधुनिक भारत के परिवहन बुनियादी ढांचे में एक प्रतिष्ठित मुकाम है, जिसे आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी।'

आराम, सुरक्षा, दक्षता के नए मानक

वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट से देश में लंबी दूरी की रेल यात्रा में क्रांति की संभावनाएं निहित हैं, जो आराम, सुरक्षा और दक्षता के लिए नए मानक स्थापित करेगी। यह ट्रेन कई विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें यूएसबी चार्जिंग प्रावधान के साथ इंटीग्रेटेड रीडिंग लाइट, सार्वजनिक घोषणा और विजुअल सूचना प्रणाली, इनसाइड डिस्प्ले पैनल और सुरक्षा कैमरे, मॉड्यूलर पैंट्री और दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष बर्थ और शौचालय शामिल हैं। इसके अलावा प्रथम एसी कार में गर्म पानी के साथ शॉवर की सुविधा उपलब्ध है। ट्रेन के प्रदर्शन की बात करें तो परीक्षण के दौरान अधिकतम परिचालन गति 180 किमी प्रतिघंटा और सर्विस के दौरान 160 किमी प्रतिघंटा है।

नई ट्रेन सेवा का उद्घाटन

बाद में, बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से मंत्री वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पीलभीत-शाहगढ़-मैलानी रेलवे खंड के गेज परिवर्तन का लोकार्पण किया। उन्होंने उस मार्ग पर एक नई ट्रेन सेवा का उद्घाटन भी किया।

बेंगलूरु उपनगरीय रेलवे परियोजना को पूरा करने के लिए के-राइड को तकनीकी क्षमता बढ़ाने की जरूरत : वैष्णव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि कर्नाटक रेल बुनियादी ढांचा विकास कंपनी (के-राइड) लिमिटेड को बेंगलूरु उपनगरीय रेलवे परियोजना (बीएसआरपी) को पूरा करने के लिए अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि वह कुछ हफ्तों के बाद बेंगलूरु का दौरा कर बेंगलूरु उपनगरीय रेलवे परियोजना की समीक्षा करेंगे।

वैष्णव ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पिछली बार जब मैंने परियोजना की समीक्षा की तो प्रमुख मुद्दा के-राइड की तकनीकी क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता थी क्योंकि यह (बीएसआरपी) एक बहुत ही जटिल परियोजना है। इसलिए कर्नाटक रेल बुनियादी ढांचा विकास कंपनी (के-राइड) को एक संगठन के रूप में अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। हमने पिछली बार इसी की समीक्षा की थी।

वैष्णव ने समयसीमा के बारे में कहा कि परियोजना में राज्य सरकार की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है और इसलिए केंद्र को यह सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के साथ काम करना होगा कि सब कुछ ठीक रहे। उन्होंने कहा, यह एकतरफा (परियोजा) नहीं है। यह राज्य और केंद्र का संयुक्त उद्यम है और राज्य की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मंत्री ने कहा कि पिछली बार जब बेंगलूरु में थे तो उन्होंने राज्य सरकार से तकनीकी क्षमता बढ़ाने का अनुरोध किया था। मुंबई से अहमदाबाद तक बुलेट ट्रेन परियोजना के बारे में वैष्णव ने कहा कि अच्छी प्रगति हुई है।

वैष्णव ने कहा, 327 किलोमीटर का 'वायाडक्ट' पहले ही पूरा हो चुका है और यह व्यावहारिक रूप से बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। समुद्र के नीचे सुरंग का काम भी शुरू हो गया है। पहला खंड 2026 में शुरू हो जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री का भविष्य अदालत के फैसले पर निर्भर करता है : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का भविष्य अदालत के फैसले पर निर्भर करता है, क्योंकि मुडा- (मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण) घोटाला अदालत में विचाराधीन है। रविवार को मंड्या में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अभियोजन के लिए भेजा गया यह पहला मामला नहीं है। कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों में ऐसे कई मामले हुए हैं। यह एक स्थापित प्रणाली है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट के कई फैसले हैं। 2018 में एक संशोधन किया गया था, जो अब चर्चा का विषय बन गया है। संविधान के अनुच्छेद 17/2 के तहत संशोधन के बाद हुए परिवर्तनों पर ध्यान देने की जरूरत है। यह स्पष्ट है कि कांग्रेस के नेता इतने चिंतित क्यों हैं? राज्यपाल ने जांच का आदेश दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा के मामले में कोई जांच नहीं हुई थी। एफआईआर, जांच और चार्जशीट दायर होने के बाद अभियोजन की सिफारिश की गई थी। हालांकि, इनमें से कुछ भी किए बिना, सत्र न्यायालय को सीधे समन जारी कर दिया गया। तत्कालीन राज्यपाल के आदेश की कई अदालतों में आलोचना हुई और फैसले पारित किए गए। आज राज्यपाल ने केवल जांच का आदेश दिया है, जो अब अदालत में अपने अंतिम चरण में पहुंच रही है। उन्हें इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए कि अदालत में क्या होता है।

कांग्रेस नेताओं द्वारा भाजपा नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगने के लिए राज्यपाल से मिलने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में बोम्मई ने कहा कि राज्यपाल ने पहले ही जवाब दे दिया है, उन्होंने कहा कि उन्होंने कुछ जानकारी मांगी है। जो भी हो, उन मामलों और सिद्दरामय्या के मामले के बीच समानताएं खींचने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। चूंकि यह मामला राज्य के मुखिया से जुड़ा है, इसलिए इसे अधिक प्राथमिकता मिलेगी।

जब उनसे पूछा गया कि क्या मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या इस्तीफा देंगे, तो बोम्मई ने कहा कि मुख्यमंत्री का पद पर बने रहना कोर्ट के फैसले पर निर्भर करेगा। चाहे कोई भी राजनीतिक विश्लेषण हो, मामला कोर्ट में है और उनके भविष्य पर फैसला कोर्ट के आदेश के आधार पर होगा। राज्य सरकार को अस्थिर करने का आरोप सच्चाई से कोसों दूर है और निराधार है। खुद को बचाने की कोशिश में ऐसे राजनीतिक आरोप लगना आम बात है। यह कोई नई बात नहीं है, ये पुराने हथकंडे हैं।

चन्नपटना उपचुनाव के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में बोम्मई ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी से इस बारे में चर्चा हो चुकी है। वे अपने पार्टी नेताओं से इस बारे में चर्चा करेंगे और एनडीए नेतृत्व से विचार-विमर्श के बाद भाजपा नेता और कुमारस्वामी इस बारे में फैसला लेंगे।

अधिवेशन

बेंगलूरु में मल्लेश्वरम् स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में भाजपा प्रदेश विधिक घटक का प्रथम प्रदेश अधिवेशन रविवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने किया। इस मौके पर घटक के राज्य समन्वयक युथा दत्तात्रे, भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष राजेंद्र, कानून प्रकोष के सह-संयोजक लक्ष्मण कुलकर्णी, राज्य समिति के सदस्य केपी विश्वनाथ, यशवंत वीणा, अरुण बीवी श्रीनिवास आदि उपस्थित थे।

मुझे राज्यसभा में अपना कार्यकाल पूरा करने दीजिए, फिर मैं संसद पर आधारित कहानी लिखूंगी : सुधा मूर्ति

बेंगलूरु। सांसद, लेखिका एवं समाजसेवी सुधा मूर्ति ने रविवार को कहा कि उन्होंने 1980 के दशक में संसद पर आधारित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर एक किताब पढ़ी है, लेकिन तब से भारत और संसद में बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन उन्हें इस विषय पर लिखने से कोई गुरेज नहीं होगा। मूर्ति ने कहा, '' हालांकि, ऐसा करने से पहले मुझे राज्यसभा सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करना होगा।'' मूर्ति यहां अपनी 300वीं रचना और 46वीं किताब 'ग्रैंडपाज बैग ऑफ स्टोरीज' के विमोचन के अवसर पर साथी लेखिका और अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना के साथ बातचीत कर रही थीं। यह कार्यक्रम बेंगलुरु के लिट स्पिरिट फाउंडेशन ने आयोजित किया था। उन्होंने बताया कि उनकी तात्कालिक इच्छाओं की सूची में श्लोकों पर

आधारित एक पुस्तक लिखने की है, जिनका पाठ उनके दादाजी करते थे। मूर्ति ने कहा, ''--- जैसे मेरे दादाजी तब (श्लोकों का) पाठ करते थे, जब कोई यात्रा पर जाता था या घर से बाहर निकलता था।'' मूर्ति के नाती-पोते ब्रिटेन में रहते हैं और वहां की पृष्ठभूमि पर कहानी लिखने के सवाल पर उन्होंने कहा, ''मेरी किताब में ऐसे पात्र हैं, जो बिल्कुल मेरे नाती-पोते जैसे हैं, लेकिन वे भारत में रहते हैं... ब्रिटेन में मैं किसी भी समय केवल 10 से 15 दिनों के लिए रही हूं। किसी जगह की पृष्ठभूमि कहानी लिखने के लिए आपको उस जगह को अच्छी तरह से जानना होगा, लोगों से बातचीत करनी होगी। तभी आपको उस जगह की संस्कृति की झलक मिलेगी और आप उसके बारे में सहजता से लिख पाएंगे।'

बारिश के चलते दक्षिण रेल सेवाओं के स्वरूप में परिवर्तन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण मध्य रेलवे ने जोन में भारी बारिश और चलते ट्रेन सेवाओं के पैटर्न में बदलाव किया गया है। कई ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन किया गया है वहीं कई सेवाएं निरस्त कर दी गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नम्बर भी रेलवे ने जारी किए हैं।

2 सितंबर को 07.15 बजे छूटने वाली ट्रेन संख्या 06509 केएसआर बेंगलूरु - दानापुर हमसफर एक्सप्रेस पूरी तरह से रद्द है। वहीं 2 सितम्बर को छूटने वाली12295 एसएमवीटी - दानापुर एक्सप्रेस, 16566 मंगलूरु सेन्ट्रल-यशवंतपुर को भी रद्द किया गया है। 4 सितम्बर को दानापुर से केएसआर बेंगलूरु आने वाली ट्रेन नं. 06510 को रद्द कर दिया गया है।

वहीं कई ट्रेनों के मार्ग में भी परिवर्तन किया गया। ट्रेनों को अपने परिवर्तित मार्ग पर चलाया जा रहा है।

अभिनेता जयसूर्या ने चुप्पी तोड़ी, यौन उत्पीड़न के आरोपों से किया इनकार

तिरुवनंतपुरम। अभिनेता जयसूर्या ने अपने खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर चुप्पी तोड़ते हुए रविवार को आरोपों से इनकार किया और कहा कि इन आरोपों ने उन्हें, उनके परिवार और उनके हर करीबी व्यक्ति को ''तोड़'' दिया है। पिछले एक महीने से अपने परिवार के साथ अमेरिका में मौजूद अभिनेता ने कहा कि वह कानूनी रूप से आरोपों का सामना करेंगे और उनके लौटने तक वकील उनके खिलाफ मुकदमों में सुनवाई में भाग लेंगे। जयसूर्या ने 31 अगस्त को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्ति करते हुए फेसबुक पर कहा, अपनी निजी प्रतिबद्धताओं के कारण, मेरा परिवार और मैं पिछले एक महीने से अमेरिका में हूं तथा इस दौरान यौन उत्पीड़न के आधार पर दो झूठे आरोप मेरे खिलाफ लगाए गए हैं। उन्होंने कहा, स्वाभाविक रूप से, इसने मुझे, मेरे परिवार को और मेरे करीब हर व्यक्ति को तोड़ दिया है। मैंने कानूनी रूप से इसका सामना करने का फैसला लिया है। जयसूर्या के खिलाफ एक अभिनेत्री ने यहां छावनी पुलिस थाने में 28 अगस्त को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला करना या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अभिनेत्री ने प्रसिद्ध अभिनेताओं एम. मुकेश, जयसूर्या और मणियांपिल्ला राजू के साथ ही इडावेलू बाबू पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं।

इंडिगो की चेन्नई और श्रीलंका के जाफना के बीच दैनिक उड़ान सेवा शुरू

चेन्नई/मुंबई। घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने रविवार को चेन्नई से श्रीलंका के जाफना के लिए अपनी दैनिक उड़ान सेवा शुरू की। इंडिगो ने कहा कि जाफना, राजधानी कोलंबो के बाद श्रीलंका में एयरलाइन का दूसरा गंतव्य तथा 34वां अंतरराष्ट्रीय गंतव्य है। इंडिगो ने कहा कि चेन्नई से जाफना के लिए नई दैनिक सीधी उड़ानों से चेन्नई से जाफना तक की यात्रा का समय घटकर 75 मिनट का हो गया है। इंडिगो घरेलू और विदेशी सहित 122 गंतव्यों के लिए 2,000 से अधिक उड़ानें संचालित करती है। इंडिगो ने कहा कि यह रणनीतिक मार्ग (चेन्नई-जाफना) भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करेगा, जो वाणिज्य, बुनियादी ढांचे के विकास और हवाई संपर्क जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग द्वारा चिह्नित हैं।

पुष्पांजलि

रविवार को तमिलनाडु सरकार की ओर से तेनकासी जिले के शिवगिरी जिले के सेवल गांव में स्थित स्वतंत्रता सेनानी पुलिथेवन की 309वीं जयंती कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन।इसमौके पर सचिव एके कमलकिशोर, तेनकासी सांसद रानी श्रीकुमार, वासुदेवनल्लूर विधानसभा सदस्यसथन थिरुमालीकुमार आदि उपस्थित थे।

सत्तारूढ़ वाम मोर्चे के विधायक ने मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पर साधा निशाना

मलप्पुरम(केरल)। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के विधायक पी.वी.अनवर ने रविवार को उस समय सरकार को असहज स्थिति में डाल दिया जब उन्होंने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के राजनीतिक सचिव पी शशि और उनके विश्वासपात्र वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एम आर अजित कुमार पर तीखा हमला किया। कारोबारी पेशे से राजनीति में आए और दो बार के विधायक अनवर ने शशि और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) के पद पर कार्यरत अजित कुमार पर मुख्यमंत्री से विश्वासघात करने और अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

नीलांबुर से विधायक अनवर ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुमार और पत्तनमथिट्टा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुजीत दास सहित कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उनमें से कई राष्ट्र-विरोधी और 'असामाजिक गतिविधियों' में संलिप्त हैं। उन्होंने कहा, शशि और अजित कुमार ऐसे अधिकारी हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री ने विश्वास के साथ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। यहां मुद्दा यह है कि क्या उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियां ईमानदारी से निभाई जा रही हैं। अनवर ने अजित कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस)के वरिष्ठ अधिकारी ने मंत्रियों, नेताओं और पत्रकारों की फोन बातचीत को टैप कराया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारी का सोना तस्करी गिरोह से करीबी संबंध है और वह कई अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त हैं। विधायक ने दावा किया कि अजित कुमार और सुजीत दास जैसे अधिकारी अपनी अवैध और आपराधिक गतिविधियों के कारण निश्चित रूप से सलाखों के पीछे पहुंचेंगे।

कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य में बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पुलिस अपराध के खिलाफ 'कतई बर्दाश्त न करने वाली' नीति अपनाते हुए सख्त से सख्त कार्रवाई करे। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस द्वारा कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधे जाने के बीच शर्मा ने शनिवार रात मुख्यमंत्री कार्यालय में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। उन्होंने पुलिस विभाग को पूरी मुस्तैदी से राज्य में आमजन को भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक क्षेत्र में दौरा करें और जिलेवार कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करें। शर्मा ने कहा, साइबर अपराध की रोकथाम जरूरी है। इसके लिए आमजन को जागरूक किया जाए और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखी जाए। मादक पदार्थ और अवैध खनन से जुड़े मामलों में भी त्वरित कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग को बदलते समय के साथ सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखनी चाहिए, जिसके लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विशेषज्ञों की मदद ली जाए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महिला सुरक्षा को लेकर कालिका यूनिट के गठन के काम को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार और पुलिस महानिदेशक यूआर साहू सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

शर्मा ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि साइबर क्राइम पर रोकथाम जरूरी है। इसके लिए आमजन को जागरूक किया जाए एवं अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रखें।

साथ ही नारकोटिक्स से संबंधित मामलों एवं अवैध खनन पर भी त्वरित कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग को बदलते समय के साथ सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखनी है। इसके लिए आईटी विशेषज्ञों की सहायता ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में महिला सुरक्षा को लेकर कालिका यूनिट के गठन की कार्यवाही को शीघ्र पूरा किया जाए। बैठक में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनन्द कुमार, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान में सामान्य से अधिक बारिश, मानसून अभी हफ्ते भर और सक्रिय रहेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून लगातार सक्रिय है और राज्य में अब तक सामान्य से लगभग 50 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान में बारिश का दौर अभी कम से कम एक सप्ताह और जारी रहेगा।

मौसम केंद्र जयपुर के मुताबिक, पूरे राजस्थान में एक जून से अब तक कुल मिलाकर 561 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो इस समयावधि की 376 मिलीमीटर की सामान्य बारिश से 49 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान पूर्वी राजस्थान में सामान्य से 35 प्रतिशत, जबकि पश्चिमी राजस्थान में सामान्य से 74 फीसदी अधिक बारिश हुई है।

मौसम केंद्र ने कहा कि अब तक कि समग्र बारिश को देखा जाए, तो बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़, सिरोही और उदयपुर ही ऐसे जिले हैं, जहां बारिश सामान्य से एक से लेकर आठ प्रतिशत तक कम रही है। उसने बताया कि बाकी पूरे राज्य में अब तक सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश हो चुकी है और सीमावर्ती जैसलमेर जिले में तो सामान्य से 160 प्रतिशत अधिक पानी बरसा है।

मौसम केंद्र जयपुर के प्रभारी राधेश्याम शर्मा के अनुसार, एक नये मौसमी तंत्र के प्रभाव से राज्य में अगले सप्ताह बारिश का एक नया दौर शुरू होगा। उन्होंने बताया कि इसके प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी और आगामी एक सप्ताह तक कई इलाकों में भारी बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। शर्मा के मुताबिक, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने तथा दो-तीन सितंबर से कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका है।

मौसम केंद्र ने बताया कि शनिवार सुबह से रविवार सुबह तक पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं और पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर गरज के साथ वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान जोधपुर, पाली और सिरोही में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हुई। केंद्र के अनुसार, सबसे अधिक 78 मिलीमीटर बारिश पाली के सुमेरपुर में हुई, जबकि सिरोही के शिवगंज में 71 मिलीमीटर पानी बरसा।

बधाई

जयपुर में रविवार को सामर्थ्य सेवा संस्थान द्वारा आयोजित 'सामर्थ्य ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड्स-2024' और 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यक्रम' शिरकत करती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।इस अवसर पर, अवार्ड्स वितरित कर सम्मानित व्यक्तियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए बधाई दी।

भामाशाह देवतुल्य, उनके दिए एक-एक पैसे का होगा सदुपयोग : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में शैक्षणिक उन्नयन के लिए अहर्निश प्रयासरत है। भामाशाहों की ओर से दिए जा रहे सहयोग से गुणवत्तायुक्त शिक्षा, विद्यालयों में सुविधाओं के विस्तार पर कार्य हो रहा है। शिक्षा मंत्री होने के नाते भामाशाहों को विश्वास दिलाता हूं कि उनके द्वारा दान की गई राशि के एक-एक पैसे का सदुपयोग होगा।

शिक्षा मंत्री दिलावर रविवार को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित 28वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने की। राज्य सभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत, उदयपुर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, गोगुन्दा विधायक प्रताप गमेती, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी,पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक, जिला प्रमुख ममता पंवार, महापौर जीएस टांक, समाजसेवी रविन्द्र श्रीमाली, चंद्रगुप्त सिंह चौहान, प्रमोद सामर, उप महापौर पारस सिंघवी, उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली, निदेशक संस्कृत शिक्षा पूनम सहित अन्य जनप्रतिनिधि बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे।

पहली बार राजधानी जयपुर से बाहर उदयपुर में आयोजित हो रहे राज्य स्तरीय समारोह में शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत ने वर्ष 1995 में भामाशाहों के सम्मान की परिपाठी शुरू की, जो आज भी जारी है। इसके सकारात्मक परिणाम भी मिल रहे हैं। इस वर्ष प्रदेश के विद्यालयों के लिए 140 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का सहयोग भामाशाहों के माध्यम से प्राप्त हुआ। उक्त राशि से विद्यालय में भौतिक सुविधाओं के साथ ही स्मार्ट क्लासेज, संसाधन आदि की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने दान का महत्व बताते हुए कहा कि जिस तरह कुएं से सिंचाई के लिए पानी निकालने पर कुछ ही घंटो में कुआं वापस भर जाता है, इसी प्रकार धन को सदकर्म में लगाने से दुगुने लाभ की प्राप्त होती है।

उन्होंने कहा कि दूसरों की पीड़ा समझने वाला कभी साधारण नहीं हो सकता। शिक्षा के लिए दान देने वाले सभी भामाशाह देवतुल्य हैं, जो बच्चों की पढ़ाई में आने वाली पीड़ा को समझते हुए उनके लिए सुविधाएं जुटाने सहयोग करते हैं। प्रारंभ में शिक्षा मंत्री ने मेवाड़ की वीर प्रसूता भूमि को प्रणाम करते हुए महाराणा प्रताप और भामाशाह का स्मरण किया। साथ ही उन्होंने राणा पूंजा, वीरबाला कालीबाई और गोविन्दगुरु को याद करते हुए नमन किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान महापुरुषों, त्याग, तपस्या, शौर्य और वीरता की और भामाशाह की परंपरा वाली धरती है।

शिक्षामंत्री दिलावर ने राज्य सरकार और शिक्षा विभाग की ओर से किए जा रहे नवाचारों से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर को साफ-सुथरा रखने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि शैक्षिक वातावरण अच्छा रहे।

उदयपुर में तीन किशोरियों समेत चार लोगों की डूबने से मौत

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में शनिवार को तालाब (एनिकट) में नहाने के लिए उतरीं तीन किशोरियों और एक किशोर समेत कुल चार लोगों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जान गंवाने वालों में भाई-बहन भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि इनमें से तीन लोग तैरते समय गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे, इसके बाद चौथा किशोर उन्हें बचाने के लिए गया। लेकिन अंत में सभी डूब गए। घटना उदयपुर के कुराबड़ ब्लॉक के बेमला गांव में हुई। कुराबड़ के थानाधिकारी चैल सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने खुद ही चारों बच्चों के शव बाहर निकाले। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान राजू (15), उसकी बहन तारा (13), पार्वती (15) और भूरी (20) के रूप में हुई है। ये सभी सुरों का गुड़ा के रहने वाले थे और बेमला गांव के पास जंगल में बकरियां चराने गए थे। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को सितंबर से मिलेंगे 10 हजार रूपए : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने बताया कि 2024-25 में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना (पीएमएमवीवाई) के अन्तर्गत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम सन्तान के लिए वर्तमान में दी जा रही राशि 6500 रूपये के स्थान पर 01 सितंबर से बढ़ाकर 10 हजार रूपये किया गया है। उन्होंने बताया कि यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु मज़बूत कदम है।

दीया कुमारी ने बताया कि दिव्यांग महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान तथा संतान के जन्म के पश्चात अधिक पौष्टिक आहार मिल सके इस हेतु उक्त राशि में बढ़ोतरी कर उसे 10 हजार रूपये किया गया है। इसके साथ ही माँ और बच्चें का बेहतर स्वास्थ्य हो तथा टीकाकरण सुनिश्चित हो सके इस हेतु उक्त प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह 3500 रूपये की अतिरिक्त राशि 100 प्रतिशत राज्य निधि से डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी।

निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओपी बुनकर ने बताया कि राज्य सरकार ने परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना (पीएमएमवीवाई) के अन्तर्गत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम सन्तान के लिए वर्तमान में दी जा रही राशि 6500 रूपये को 01 सितंबर से बढ़ाकर 10 हजार कर दिया है।

बुनकर ने बताया कि योजना के अनुसार प्रथम किश्त का भुगतान आंगनबाड़ी केन्द्र पर पंजीकरण एवं कम से कम एक प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच पर पूर्व में 3000 रूपये दिये जाते थे। जिसे बढ़ाकर 4000 रूपये कर दिया गया है। बच्चे के जन्म पर पूर्व में मिलने वाले 1500 रूपये की द्वितीय किश्त को बढ़ाकर 3000 रूपये कर दिया गया है। बच्चे के जन्म का पंजीकरण एवं प्रथम चरण के सम्पूर्ण टीकाकरण पर चौदह सप्ताह की आयु तक के सभी टीके पूर्ण करवाने पर मिलने वाली तीसरी किश्त 2000 रूपये को बढ़ाकर 3000 रूपये कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बढ़ी हुई राशि 3500 रूपये ऐसी महिलाएं को देय है जो आआंशिक रूप से (40 प्रतिशत) अथवा पूरी तरह से अक्षम है। उन्हें डीबीटी के माध्यम से उक्त राशि दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने यह भी बताया कि 1 सितम्बर से प्रदेश में राष्ट्रीय पोषण माह 2024 का आयोजन किया गया है। जिसमें महिलाओं और बच्चों का पोषण को बढ़ावा देने, उनके बेहतर स्वास्थ्य की गतिविधियां संचालित करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और पोषण भी पढ़ाई भी को लक्षित किया गया है। आईसीडीएस निदेशक ओपी बुनकर ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित करने के लक्ष्य से आयोजित होने वाले इस अभियान में एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी , बेहतर शासन के लिए तकनीकी उपाय, पर्यावरण संरक्षण थीम्स हैं।

रक्तदान महादान और जीवनदान : राज्यपाल

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रक्तदान को महादान और जीवनदान बताते हुए रविवार को कहा कि इससे हम किसी की भी जान बचा सकते हैं। बागड़े ने जयपुर में अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद द्वारा आयोजित महा रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अवसर पर बागडे ने कहा, रक्तदान महादान है। यह जीवनदान है। रक्तदान करके आप कहीं भी किसी की जान बचा सकते हैं।राज्यपाल ने कहा, मानव जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान अमूल्य है। इसे बढ़ावा देने के लिए लगातार जागरूकता फैलाई जाए। लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जाए। बागडे ने रक्तदान के लिए आए लोगों का अभिनंदन किया और उन्हें प्रमाणपत्र सौंपे।

उन्होंने इस दौरान कहा कि रक्तदान महादान है। यह जीवनदान हैं। यह करके आप कहीं भी किसी की जान बचा सकते हैं। बागडे ने कहा कि मानव जीवन की रक्षा हेतु रक्तदान अमूल्य है। इसके लिए निरंतर जागरूकता की जाए और अधिकाधिक लोगों को इसके लिए प्रेरित किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भजनलाल शर्मा ने की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने रविवार को पीएम नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की तथा उनका आत्मीय आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर राजस्थान के समग्र विकास, प्रगति एवं जनकल्याण से संबंधित विविध योजनाओं के संदर्भ में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। सीएम ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए, हमारी सरकार 'विकसित भारत, विकसित राजस्थान' के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने विधानसभा उपचुनावों को लेकर मीडिया विभाग की आगामी रणनीति पर की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया विभाग, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग सहित प्रदेश कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया विभाग में न्यूज कटिंग, टीवी मॉनिटरिंग सहित अन्य कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक सुझाव दिए। भाजपा मीडिया प्रदेश संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को पार्टी के मीडिया विभाग की संपूर्ण कार्य प्रणाली से अवगत कराया।

इस दौरान राठौड़ ने भाजपा के प्रवक्ताओं एवं पैनलिस्टों को टीवी डिबेट के दौरान भाजपा सरकार की योजनाओं को तथ्यों के साथ रखने और प्रभावी संवाद के संबंध में भी बताया। वहीं दूसरी ओर विधानसभा उपचुनावों को लेकर भाजपा मीडिया विभाग की आगामी रणनीति पर भी चर्चा की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि मीडिया विभाग भाजपा सरकार के जनहित से जुड़े लोक कल्याणकारी नीतियों को आमजन तक पहुंचाने के लिए कार्य योजनाएं बनाए। राठौड़ ने कहा कि मीडिया विभाग प्रदेश में घटित घटनाक्रमों में सरकार द्वारा किए गए एक्शन पर भी चर्चा करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने भाजपा के अंत्योदय के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य किया है।

ऐसे में भाजपा मीडिया विभाग उप चुनावों में सरकार के इन कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। राठौड़ ने आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग में पहुंचकर टीम से कार्य प्रणाली जानी और कहा कि आज सोशल मीडिया का समय है। ऐसे में हमें समय के साथ चलते हुए आईटी एवं सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना होगा।

बाबा रामदेव मेला पांच से

जैसलमेर/दक्षिण भारत। पश्चिमी राजस्थान का विख्यात बाबा रामदेवरा मेला आगामी पांच सितम्बर से प्रारंभ होगा। मेला व्यवस्थाओं की अंतिम तैयारियों की शनिवार को जिला कलेक्टर प्रताप सिंह ने बैठक लेकर समीक्षा की ओर मौके पर भ्रमण कर अवलोकन किया।

कलेक्टर ने कहा कि मेला व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों को सुपुर्द कार्य और दायित्वों को पूरी तत्परता से सम्पादित कर मेलार्थियों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं जुटाएं। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान ग्राम पंचायत एवं मन्दिर समिति का विशेष दायित्व रहता है इसलिए वे पूरे मेले में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखे। वहीं रामसरोवर तालाब पर सुरक्षा एवं लाईट व्यवस्था के पुख्ता प्रबन्ध करे। रामसरोवर तालाब पर डूबने की घटने ना हो इसके लिये प्रत्येक समय पर्याप्त मात्रा में कुशल तैराकों की व्यवस्था रखे।

उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त सडको की मरम्मत करवाते रहे। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बाबा रामसापीर की समाधी के दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पीने के मीठे पानी की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित कर लें। उन्होंने निर्देश दिये कि वे मेले के दौरान टूंटी लगे हुए पर्याप्त टैंकरों की व्यवस्था के साथ ही मुख्य मार्गों पर अधिकाधिक सार्वजनिक नल लगाने की व्यवस्था करें। उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वे स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारु रुप से संचालन के लिए मेले के दौरान लगाए जाने वालें चिकित्सा स्टॉफ की समुचित व्यवस्था कर दें एंव यहां निःशुल्क जांच योजना और निःशुल्क दवा योजना का लाभ श्रद्धालुओं को मिल सके इसकी भी व्यवस्था सुनिश्चित कर ले।

'मिया बिहू' गायक गिरफ्तार

हमारे बिहू गीतों को बदलने का प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि 'मिया बिहू' को लोकप्रिय बनाने की कोशिश के आरोप में एक गायक को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी असमिया व्यक्ति अपने पारंपरिक बिहू गीतों को 'बहुत अलग' बनाने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा।

शर्मा ने शनिवार देर रात फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, कुछ लोग 'मिया बिहू' को लोकप्रिय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे ही एक गायक अल्ताफ हुसैन को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया है।

रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा साझा की गई 2.27 मिनट की वीडियो क्लिप में शर्मा ने जोर देकर कहा कि जब तक असमिया समाज कायम रहेगा, वह सम्मान के साथ ऐसा करेगा। उन्होंने कहा, हम अपनी सामाजिक व्यवस्था पर कोई भी हमला बर्दाश्त नहीं करेंगे। और हम पर हमले की ऐसी कोशिशें भी नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी असमिया व्यक्ति संस्कृति, विरासत, भोजन, गीत, नृत्य रूपों को 'बहुत अलग तरीके' से प्रस्तुत करने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, अगर हमारे गौरव बिहू गीतों को 'मिया बिहू' में बदल दिया जाए, तो कौन सा असमिया इसे स्वीकार करेगा?''

'मिया' मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक आपत्तिजनक शब्द है और गैर-बांग्ला भाषी लोग आम तौर पर उन्हें बांग्लादेशी प्रवासी मानते हैं।

जिला स्तर पर केवल 6.7 प्रतिशत अदालतों का बुनियादी ढांचा महिलाओं के अनुकूल : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली,/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि जिला स्तर पर केवल 6.7 प्रतिशत अदालतों का बुनियादी ढांचा महिलाओं के अनुकूल है और इस स्थिति को बदलने की जरूरत है।

जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अदालतें समाज के सभी सदस्यों के लिए सुरक्षित और सहज वातावरण प्रदान करें। उन्होंने कहा, हमें बिना किसी सवाल के इस तथ्य को बदलना होगा कि जिला स्तर पर हमारी अदालतों के बुनियादी ढांचे का केवल 6.7 प्रतिशत ही महिलाओं के अनुकूल है। क्या यह आज ऐसे देश में स्वीकार्य है, जहां कुछ राज्यों में भर्ती के बुनियादी स्तर पर 60 या 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं? हमारा ध्यान सुलभता उपायों को बढ़ाने पर है, जिसे बुनियादी ढांचे के 'ऑडिट' के माध्यम से समझा जा सकता है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, अदालतों में चिकित्सा सुविधाएं, शिशुगृह (क्रेच), ई-सेवा केंद्र जैसी सुविधाओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के उपकरण होने चाहिए। इन प्रयासों का उद्देश्य न्याय तक पहुंच बढ़ाना है। उन्होंने कहा, स्वाभाविक रूप से, हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हमारी अदालतें हमारे समाज के सभी सदस्यों, विशेषकर महिलाओं और अन्य कमजोर समूहों जैसे विकलांग व्यक्तियों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों तथा सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य के सभी लोगों के लिए एक सुरक्षित और अनुकूल वातावरण प्रदान करें। उन्होंने यह भी कहा कि हाल में संपन्न पहली राष्ट्रीय लोक अदालत में लगभग 1,000 मामलों का निपटारा पांच कार्य दिवसों के भीतर सौहार्दपूर्ण ढंग से किया गया।

दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन उच्चतम न्यायालय ने किया। उच्चतम न्यायालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने समापन भाषण दिया और शीर्ष अदालत के ध्वज और प्रतीक चिह्न का अनावरण भी किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने भी कार्यक्रम में लोगों को संबोधित किया।

'बर्बाद' झारखंड को बचाने के लिए लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि लोग 'बर्बाद' हो चुके आदिवासी बहुल प्रदेश को बचाने के लिए उनकी पार्टी से हाथ मिला रहे हैं।

चौहान ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने राज्य को बर्बाद कर दिया है, और हर जगह अराजकता है। उन्होंने आरोप लगाया, राजनेताओं और नौकरशाहों के यहां से (जांच एजेंसियों द्वारा छापेमारी में) नोटों के पहाड़ बरामद किए जा रहे हैं। झारखंड के मंत्री एवं अन्य लोग इसमें शामिल हैं। आदिवासियों की जमीनें घुसपैठियों द्वारा हड़पी जा रही है, जो स्थानीय लड़कियों से शादी कर रहे हैं और उनके नाम पर भूखंड खरीद रहे हैं।

उन्होंने कहा, यह चुनाव झारखंड को बचाने के लिए है। इसे बचाने के लिए लोग भाजपा के साथ आ रहे हैं। हम झारखंड में एकजुट होकर अच्छा काम कर रहे हैं।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शुक्रवार को भाजपा में शामिल हो गए, जबकि पूर्व झामुमो विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने एक दिन बाद पार्टी छोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया।

दीवार तोड़कर थाने में घुसा गोवंशीय पशुओं से लदा ट्रक

देवरिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में रविवार को गोवंशीय पशुओं से लदा एक ट्रक थाने की दीवार तोड़कर उसमें घुस गया। इस मामले में ट्रक चालक और एक पशु तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तर) दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि रविवार सुबह मवेशियों से लदा एक ट्रक रामपुर कारखाना थाने की दीवार को तोड़ता हुआ थाना परिसर के अंदर घुस गया। उन्होंने बताया कि घटना में थाने में खड़ी कुछ मोटरसाइकिल को नुकसान पहुंचा है, लेकिन संयोगवश कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

चौधरी के अनुसार, देवरिया से आ रहा पशुओं से लदा एक ट्रक कंचनपुर चौराहे की तरफ से बिहार जा रहा था, तभी रामपुर कारखाना थाने के ठीक सामने एक पुलिसकर्मी ने चालक को वाहन की जांच के लिए रुकने का इशारा किया।

चौधरी के मुताबिक, इससे चालक घबरा गया और उसका वाहन अनियंत्रित होकर दीवार तोड़ते हुए थाना परिसर के अंदर घुस गया।

चौधरी के अनुसार, टक्कर की आवाज से थाने में अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने ट्रक की जांच के दौरान उसमें गोवंशीय पशु लदे पाए, जिसके बाद चालक सहित एक पशु तस्कर को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया।

भाजपा अब शहीदों के स्मारक पर भी बुलडोजर चलवा रही : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/मैनपुरी (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर शहीदों के स्मारकों पर भी बुलडोजर चलाने का आरोप लगाया।

मैनपुरी से लोकसभा सदस्य एवं उनकी पत्नी डिम्पल यादव ने दावा किया कि भाजपा भू-माफियाओं को लाभ पहुंचाने के लिए शहीदों का अपमान कर रही है।

उनकी टिप्पणी मैनपुरी जिले की किशनी तहसील में हुई उस घटना पर आई है जिसमें करगिल युद्ध में शहीद हुए मुनीश यादव के सम्मान में बनाए गए स्मारक की चारदीवारी को पिछले सप्ताह अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर ध्वस्त कर दिया गया था।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में आरोप लगाया, भाजपा अब शहीदों के स्मारक पर भी बुलडोजर चलवा रही है।

इसी पोस्ट में अखिलेश यादव ने कहा, मैनपुरी में करगिल के वीर शहीद मुनीश यादव के सन् 2000 में बने प्रतिमा स्मारक को मिट्टी में मिलाने का जो दुस्साहस प्रशासन ने शासन के इशारे पर किया गया है, उससे देश के सैनिकों और देश प्रेमियों के बीच मूक आक्रोश पनप रहा है।

सपा प्रमुख ने कहा कि देश के मान-सम्मान के लिए जीवन न्योछावर करने वालों की शहादत का मोल भाजपाई कभी नहीं समझ सकते हैं। उन्होंने दावा किया, इतिहास गवाह है कि आजादी के आंदोलन में जो लोग स्वतंत्रता सेनानियों का साथ देने की बजाय औपनिवेशिक शासकों के कान-आंख बनकर रहे थे, वो भला बलिदान की क़ीमत क्या जानें।

यादव ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा की सियासत शहीदों में भी भेदभाव करने लगी है। उन्होंने कहा, ये नकारात्मक राजनीति का निकृष्टतम रूप है। यदि भाजपा में जरा भी शर्म बची है तो मंडल से लेकर जिले स्तर के सभी बड़े अधिकारियों को तत्काल निलंबित करे और प्रतिमा-स्मारक की ससम्मान पुनर्स्थापना करे। नहीं तो हम सब मिलकर ये कार्य करेंगे।

पश्चिम बंगाल के अस्पताल में मरीज ने ड्यूटी पर तैनात नर्स से छेड़छाड़ की

बोलपुर/भाषा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की चौंकाने वाली घटना के कुछ सप्ताह बाद पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के एक सरकारी अस्पताल में एक नर्स के साथ एक पुरुष मरीज द्वारा कथित तौर पर छेड़छाड़ और गाली-गलौज किए जाने का मामला सामने आया। बीरभूम के मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओएच) हिमाद्री बारी ने कहा, शनिवार देर रात तेज बुखार से पीड़ित एक व्यक्ति ने इलमबाजार ब्लॉक अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद नर्स के साथ बदसलूकी करने की कोशिश की। अस्पताल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसने उसे गिरफ्तार कर लिया और इलाज के लिए बोलपुर उपमंडल अस्पताल भेज दिया। नर्स ने कहा, मरीज ने आते ही मुझे गाली देना शुरू कर दिया। मैंने उसे अनदेखा किया और उसका इलाज शुरू कर दिया, लेकिन जब मैं सलाइन लगा रही थी तो अचानक उसने मुझे गलत तरीके से छुआ।

कोलकाता में चिकित्सक के बलात्कार एवं हत्या के खिलाफ रैलियां और प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। फिल्म निर्देशक अपर्णा सेन और बंगाली फिल्म उद्योग की कई अन्य प्रमुख हस्तियां रविवार को हजारों लोगों के साथ एक विशाल रैली में शामिल हुईं, जिसमें स्थानीय प्रशिक्षु डॉक्टर के लिए न्याय की मांग की गई। पिछले महीने यहां आर जी कर अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक की कथित बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। महामिच्छिल के अलावा, शहर में अन्य जगहों पर दो अन्य रैलियां आयोजित की गईं। एक रैली का आयोजन रामकृष्ण मिशन द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के पूर्व छात्रों द्वारा किया गया था, जबकि दूसरी रैली में एक प्रसिद्ध कॉन्वेंट स्कूल के छात्र और पूर्व छात्र शामिल थे, दोनों ने चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की।

कॉलेज स्क्वायर से शुरू हुई इस विशाल रैली में, सेन ने स्वस्तिका मुखर्जी, सुदीप्त चक्रवर्ती, चैती घोषाल, सोहिनी सरकार और अन्य साथी कलाकारों के साथ सेंट्रल एवेन्यू में मार्च किया और स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के लिए न्याय की मांग की।

पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर अभिनेता से निर्देशक बनी अपर्णा ने कहा, हम न्याय की मांग करते हुए एक साथ सड़क पर चल रहे हैं। अगर जरूरत पड़ी तो मैं फिर से सड़क पर उतरूंगी। उन्होंने कहा, आम लोगों को जवाब मांगने और सच्चाई जानने का अधिकार है। गहरी पीड़ा हमारे दिल की गहराई से निकलती है। लेकिन हमें न्यायपालिका पर भरोसा है और हम जांच को लेकर आशान्वित हैं।

स्वस्तिका मुखर्जी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा, नौ अगस्त की घटना को इतने दिन बीत चुके हैं। एक गिरफ्तारी के बाद, हमें जांच एजेंसी से कोई और जानकारी नहीं मिली है। अस्पताल प्रशासन द्वारा इस मौत को आत्महत्या के तौर पर खारिज करने के शुरुआती प्रयास और केवल एक व्यक्ति की गिरफ्तारी ने इस राज्य के लोगों को अपने घरों से बाहर आने के लिए मजबूर कर दिया है। हम सभी न्याय की मांग करने के लिए एक साथ आए हैं।

हावड़ा अस्पताल में प्रयोगशाला तकनीशियन ने 12 वर्षीय लड़की से 'छेड़छाड़' की, गिरफ्तार

हावड़ा/भाषा। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में एक सरकारी अस्पताल में 12 वर्षीय एक लड़की से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के मामले में एक प्रयोगशाला तकनीशियन को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम हावड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल में हुई, जहां लड़की को पिछले सप्ताह भर्ती कराया गया था। लड़की के परिवार के एक सदस्य ने दावा किया कि वह प्रयोगशाला से रोते हुए बाहर आई, क्योंकि आरोपी ने उसे अनुचित तरीके से छुआ था और उसे धमकी दी थी कि अगर उसने इस मामले के बारे में किसी को बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि प्रयोगशाला सहायक को गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच जारी है।

इस बीच, माकपा की युवा शाखा डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के सदस्यों ने रविवार को अस्पताल में प्रदर्शन किया और अस्पताल अधीक्षक के इस्तीफे की मांग की।

भारी बारिश से गुवाहाटी जलमग्न, सामान्य जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के गुवाहाटी में रविवार तड़के भारी बारिश के कारण कई मुख्य सड़कें और आवासीय क्षेत्र जलमग्न हो गए, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हुई और लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा।

गुवाहाटी के कुछ इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। वहीं कुछ इलाकों में जलस्तर सीने तक पहुंच गया। राजधानी के सैकड़ों घरों में बारिश का पानी भर गया।

गुवाहाटी के लगभग सभी इलाकों में सड़कें जलमग्न होने से यातायात जाम हो गया और वाहन फंसे रहे। एंबुलेंस कई घंटे तक फंसी रहीं, इससे मरीजों को काफी परेशानी हुई।

कई इलाकों में बिजली कटौती की खबरें मिली, जिससे लोगों को असुविधा हुई।

गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्रों में 'येलो अलर्ट' जारी किया है तथा अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय केंद्र ने कहा कि दिसपुर और सोनापुर के कुछ इलाकों में जलभराव हो सकता है।

इसमें कहा गया कि दिन में भारी बारिश होने के कारण दृश्यता कम हो सकती है तथा कमजोर ढांचों को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

कभी सोचा नहीं था कि 19 छक्कों के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाउंगा : बडोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तरी दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ रिकार्ड 19 छक्के लगाने वाले साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के कप्तान आयुष बडोनी का मानना है कि दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में अपनी शानदार टाइमिंग के दम पर वह 55 गेंद में 165 रन की रिकॉर्डतोड़ पारी खेलने में सफल रहे।

दायें हाथ के 24 साल के इस खिलाड़ी की ताबड़तोड़ पारी के दम पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने शनिवार को खेले गे मैच को 112 रन से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया।

बडोनी ने इस दौरान सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (120) के साथ दूसरे विकेट के लिए 286 रन की साझेदारी कर टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड बनाया।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने वाले बडोनी ने 19 छक्के जड़े जो टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड है। टी20 मैच की किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम था। दोनों बल्लेबाजों ने एक समान 18 छक्के लगाए थे।

बडोनी से 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, मैं बस गेंद को अच्छी तरह से हिट करने पर ध्यान दे रहा था, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक पारी में 19 छक्के लगाऊंगा। मैं सिर्फ गेंद की टाइमिंग पर ध्यान देता हूं और गेंद को जोर से मारने की कोशिश नहीं करता।

इस पारी के बाद आईपीएल की आगामी मेगा नीलामी में बडोनी के लिए कई फ्रेंचाइजी टीमें बोली लगाएंगीं।

इस युवा बल्लेबाज ने कहा, मैं अभी (आईपीएल) मेगा नीलामी के बारे में नहीं सोच रहा हूं। एक कप्तान के तौर पर मेरा ध्यान फिलहाल डीपीएल जीतने पर है। उन्होंने कहा, आईपीएल में खेलने से यहां (डीपीएल) एक बल्लेबाज के रूप में मेरे लिए काम बहुत आसान हो गया है। हम वहां विश्व स्तरीय गेंदबाजों का सामना करते हैं, और फिर यहां आकर खेलना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है।

लखनऊ सुपरजायंट्स के सहायक कोच जोंटी रोड्स ने बडोनी की तुलना दक्षिण अफ्रीक के पूर्व आक्रामक सलामी बल्लेबाज हर्शल गिब्स से की है। बडोनी ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, जोंटी और मेरे बीच बहुत अच्छे रिश्ते हैं। मैं इस तरह से तारीफ किए जाने पर उन्हें धन्यवाद करना चाहता हूं और बस इतना कहना चाहता हूं कि जल्द ही मिलेंगे जोंटी।

एशियाई संघ ने आईबीए के पक्ष में मतदान किया, मुक्केबाजी का भविष्य अधर में लटका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अल ऐन (यूएई)/भाषा। मुक्केबाजी का ओलंपिक में भविष्य पहले ही अधर में लटका है और अब इस खेल की एशियाई संचालन संस्था ने निलंबित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) के पक्ष में मतदान करके उसकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

गुप्त मतदान के जरिए किए गए मतदान में 21 देशों ने आईबीए के साथ बने रहने के पक्ष में जबकि 14 देशों ने इस खेल के संचालन के लिए गठित की गई नई संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग में शामिल होने के पक्ष में मतदान किया।

भारत के अलावा जिन अन्य देशों ने मतदान में भाग लिया उनमें बहरीन, भूटान, ब्रुनेई, कंबोडिया, चीन, चीनी ताइपे, तिमोर लेस्ते, हांगकांग, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, जापान, जॉर्डन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लाओस, लेबनान, मकाऊ, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, फिलीपींस, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, श्रीलंका, सीरिया, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, तुर्कमेनिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, वियतनाम और यमन शामिल थे। भारत ने पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।

आईबीए का अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ विवाद चल रहा है। आईओसी ने टोक्यो और पेरिस खेलों के लिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की जिम्मेदारी संभाली थी।

वर्ल्ड बॉक्सिंग में वर्तमान में 42 सदस्य हैं जबकि निलंबित आईबीए में 100 से अधिक संबद्ध इकाइयां हैं। जहां तक भारत का सवाल है तो भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) मई में वर्ल्ड बॉक्सिंग में शामिल होने पर सहमत हो गया था।

बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह को विश्वास है कि वर्ल्ड बॉक्सिंग मान्यता प्राप्त करने के लिए 50 सदस्यों की अर्हता इस साल के आखिर तक पूरी कर लेगा।

सिंह ने रविवार को पीटीआई से कहा, भारत यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठा रहा है कि मुक्केबाजी ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बनी रहे। यह स्पष्ट है कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति आईबीए को मुक्केबाजी की अंतरराष्ट्रीय मूल संस्था के रूप में स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा,''भारत ने वर्ल्ड बॉक्सिंग को समर्थन देने का फैसला किया है।

सुविचार

पत्थर में एक ही कमी है की वह पिघलता नहीं, लेकिन यही उसकी खूबी है वह बदलता भी नहीं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे रुकें ये कपटधंधे?

भारत में नकली नोटों की छपाई और प्रसार हमारी अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती है। पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश से भी ऐसे नोटों की तस्करी के कई मामले सामने आ चुके हैं। इनमें दोषी पाए गए लोगों को सजाएं हो चुकी हैं। इसके बावजूद अर्थव्यवस्था को क्षति पहुंचाने के इन अपराधों पर रोक नहीं लग रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2016 में नोटबंदी जैसा बड़ा कदम उठाया था। उसके बाद कुछ अवधि के लिए नकली नोटों का प्रसार रुका, लेकिन बाद में अपराधियों ने नए नोटों की भी नकल कर ली थी। हाल में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक मदरसे में नकली नोट छापने का मामला सामने आया, जो गंभीर चिंता का विषय है। जहां पढ़ाई-लिखाई और बच्चों को बेहतर इन्सान बनाने का काम होना चाहिए था, वहां ऐसा कपटधंधा कैसे शुरू हो गया? आरोपियों के पास नकली नोट छापने की सामग्री कहां से आई? उन्होंने छपाई का काम कहां से सीखा? आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में नकली नोट बरामद हुए हैं। इससे पहले उन्होंने काफी नोट बाजार में खपा भी दिए थे। शक है कि ये महाकुंभ मेले में बड़ी संख्या में नकली नोटों को खपाना चाहते थे। चूंकि आम नागरिक को ऐसे नोटों की पहचान करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती। ऐसे में जिन लोगों ने इनसे ये नोट लिए होंगे, उन्होंने इस विश्वास के आधार पर लिए होंगे कि जो मुद्रा मिल रही है, वह असली है। इस गिरोह का पर्दाफाश करने में पुलिस और एजेंसियों के जिन कर्मियों ने अपना कर्तव्य निभाया, वे निश्चित रूप से प्रशंसा के पात्र हैं। उम्मीद है कि उक्त मामले की जांच में उन लोगों पर भी शिकंजा कसा जाएगा, जिनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं। नकली नोटों की छपाई के लिए सामग्री जुटाने, छपाई करने, बाजार में खपाने, कमीशन के आधार पर संभावित 'ग्राहकों' से संपर्क करने, नकली नोट उन तक पहुंचाने ... जैसे काम मुट्ठीभर लोगों के बस की बात नहीं होती।

यूं तो भारतीय मुद्रा को सुरक्षित बनाने के लिए समय-समय पर कई कदम उठाए गए हैं, लेकिन अपराधी फिर भी बाज़ नहीं आते। भारतीय अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए दुश्मन देशों की खुफिया एजेंसियां भी ऐसे अपराधियों की मदद करती हैं। नकली नोटों के इस सिलसिले को खत्म करना बहुत जरूरी है। ऐसी घटनाएं सामने आने के बाद लोगों का अपनी मुद्रा से भरोसा कम होता है। आज भी जब कोई व्यक्ति दुकान पर 500 रुपए का नोट लेकर जाता है तो दुकानदार अपनी तसल्ली के लिए उसे एक बार गौर से देखता है। पहले 2,000 रुपए के नोटों को भी इसी तरह देखा जाता था। प्रयागराज वाले मामले में आरोपी 100 रुपए के नोट छापते पाए गए, चूंकि इन पर कोई व्यक्ति ज्यादा ध्यान नहीं देता। तो सरकार ऐसे कपटधंधों को कैसे रोके? इसका एक तरीका तो यह हो सकता है कि अपना खुफिया तंत्र मजबूत किया जाए। स्थानीय स्तर पर ऐसी व्यवस्था की जाए कि जैसे ही नकली नोट दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों में आएं, सरकार को इसकी भनक लग जाए। इस समय ज्यादातर परिवारों के बैंक खाते खुल गए हैं। क्या ऐसा कोई प्रावधान हो सकता है कि हर साल बड़े नोटों को एक खास समय-सीमा के अंदर बैंक में जमा कराना अनिवार्य हो? इसके कानूनी और तकनीकी पहलू को देखा जाना चाहिए, जिससे नकली नोटों के प्रसार पर कुछ लगाम जरूर लगे। इसका तीसरा और सबसे प्रभावी उपाय है- डिजिटल पेमेंट को और प्रोत्साहन देना। देश के छोटे शहरों और कस्बों तक डिजिटल पेमेंट की लोकप्रियता बढ़ रही है। 'चेंज इंडिया' की एक रिपोर्ट तो यह कहती है कि इन शहरों में 40 प्रतिशत लोग रोजाना डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं। हालांकि इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ग्रामीण भारत में डिजिटल पेमेंट नहीं करने वाले लगभग आधे कारोबारी इस सेवा से अनजान हैं। इसके अलावा डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल नहीं करने वाले उपभोक्ताओं में से 94 प्रतिशत इससे परिचित होने के बावजूद ऐसा नहीं करते हैं। इसके पीछे इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी, सीमित ज्ञान, ऑनलाइन भुगतान पर अविश्वास जैसे कारण हैं। हाल के वर्षों में डिजिटल धोखाधड़ी से लोगों को बहुत आर्थिक नुकसान हुआ है। हर महीने ठगी के नए-नए तरीके सामने आ रहे हैं, जिससे लोगों के मन में कई आशंकाएं पैदा होती हैं। अगर सरकार डिजिटल पेमेंट के तौर-तरीकों को अधिक सुरक्षित बना दे तो इससे नकली नोट बनाने वाले और ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह हतोत्साहित होंगे। साथ ही अर्थव्यवस्था में अधिक पारदर्शिता आएगी, जिसका लाभ देश को मिलेगा।

ट्वीटर टॉक

प्रदेश सरकार ने पेंशनर्स के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं, जिनमें 70 वर्ष की उम्र के लिए 5 फीसदी बढ़ोतरी, ओपीडी लिमिट को 30 हजार से बढ़ाकर 50 हजार और पेंशनर्स के मानसिक एवं दिव्यांग बच्चों के नाम पीपीओ में शामिल करना आदि शामिल हैं।

-दीया कुमारी

महान साहित्यकार, पद्म श्री से अलंकृत श्री विजयदान देथा जी की जयंती पर नमन। वह भारतीय कथा साहित्य के मौलिक हस्ताक्षर थे, जिन्होंने एक छोटे से कस्बे बोरुंदा में रहकर ज़मीन से जुड़े कथालोक का निर्माण किया।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

लोकोपकार ही ईश्वर भजन

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भक्त गिरीश घोष महान बांग्ला नाटककार थे। उनके लिखे 'शिवाजी' नाटक को पढ़कर रवींद्रनाथ ठाकुर भी गद्गद हो उठे थे। एक दिन घोष मां शारदा से मिलने जयरामवाटी आश्रम पहुंचे। वहां उन्होंने मां का सारगर्भित प्रवचन सुना और उन्हें लगा कि सब व्यर्थ है। संन्यास लेकर भगवान की उपासना में जीवन बिताना ही उचित है। वे शारदा मां से बोले, 'मां! अब तक मैं नाटक और कविताएं लिखने और रंगमंच पर अभिनय करने में अपना समय गंवाता रहा हूं, लेकिन अब संन्यास लेकर भगवान की उपासना में जीवन लगाना चाहता हूं।' शारदा मां मुस्कराकर बोलीं, 'गिरीश! तुम्हारे लेखन से असंख्य पाठक प्रेरणा लेते हैं। तुम लोकोपकार के कार्य में लगे हो। लोकोपकार से बड़ा भला कौन-सा ईश्वर भजन हो सकता है? मनुष्य के हर सुकृत्य के साथ ईश्वर का भजन स्वयं हो जाता है।' उनके वचन सुनकर गिरीश चंद्र घोष को बहुत संतोष हुआ।

सामयिक

अरबपति दानवीर भी बन जाएं तो कुछ बात बने

आर.के. सिन्हा

अभी कुछ दिन पहले एक खबर मीडिया की सुर्खियों में थी कि भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई अब एशिया की 'अरबपतियों की राजधानी' बन गई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के अनुसार, मुंबई में चीन के राजधानी शहर बीजिंग से भी ज़्यादा अरबपति व्यक्ति रहने लगे हैं। भारत में मुंबई के बाद सबसे ज्यादा अरबपति अब दो और महानगरों नई दिल्ली और हैदराबाद में ही रहते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि देश में अरबपतियों की तादाद देश में विकास की रफ़्तार के साथ बढ़ती ही रहेगी। अरबपति छोटे शहरों और कस्बों में भी बने। पर भारत को फिलहाल सैकड़ों-हजारों दानवीर भी तो चाहिए।

भारत, अपने युवा और विविध जनसंख्या के बावजूद, दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हालांकि, फ़िलहाल इसकी समृद्धि असमान रूप से वितरित है। लाखों लोग गरीबी, भुखमरी, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक की पहुँच से वंचित हैं। इस असमानता को कम करने और भारत को एक समृद्ध और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाने के लिए अधिक से अधिक दानवीरों की आवश्यकता है। हमें इस तरह के दानवीर चाहिएं जो हर साल बड़ी राशि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में खर्च करें।

यह संतोष का विषय है कि बिल गेट्स ने अपनी समृद्धि का उपयोग मानवता की सेवा में किया है। उनके द्वारा स्थापित बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने वैश्विक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिसमें गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच सीमित है। बेशक, दानवीर स्वास्थ्य सेवा में निवेश करके, नई तकनीकों और दवाओं को विकसित करने में मदद कर सकते हैं। वे गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों और क्लिनिकों का निर्माण कर सकते हैं।

भारत में शिक्षा प्रणाली में भी सुधार की बड़ी आवश्यकता है। इस क्षेत्र में बहुत सारे दानवीरों को निवेश करना चाहिए।वे शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करके, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समृद्ध दानवीर शिक्षकों के प्रशिक्षण, स्कूलों का आधुनिकीकरण और नए शिक्षण उपकरणों का विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं। यह कोई नहीं कह रहा है कि हमारे यहां दानवीर शिक्षा या हेल्थ सेक्टर में निवेश नहीं करते। पर इन दोनों क्षेत्रों में शत प्रतिशत सरकार के भरोसे भी तो नहीं रहा जा सकता। सरकार की भी अपनी सीमाएं हैं। इसके साथ ही भारत में गरीबी और असमानता को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर चहुँमुखी सामाजिक विकास की आवश्यकता है। दानवीर गरीबों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उनकी आय बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। वे ग्रामीण विकास, कृषि, स्वरोजगार और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं।

भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहा है। इस स्थिति का सामना करने के लिए हमारे दानवीर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को विकसित करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जल संरक्षण और ज़्यादा पानी अवशोषित करने वाले गेहूँ, धान और गन्ना के उत्पादन को छोड़कर या कम करके परंपरागत मोटे और छोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने का अभियान चला सकते हैं। एक किलो धान के उत्पादन में जहाँ 8000 लीटर, एक किलो गेहूँ उत्पादन में 10,000 लीटर पानी और एक किलो चीनी के उत्पादन में 28,000 लीटर पानी का व्यय होता है, वहीं एक किलो छोटे अनाज कोदो, कंगनी, कुटकी, साँवा और हरा सावाँ के उत्पादन में मात्र 100 से लेकर 300 तक ही पानी की आवश्यकता पड़ती है। इसीप्रकार, हर तरह के दूरगामी और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए भी दानवीर अरबपति पर्यावरणीय संगठनों को समर्थन दे सकते हैं।

मैं अपना ख़ुद का उदाहरण देना चाहूँगा। मैं 1966 से लेकर 1975 में स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा लगायी गई इमरजेंसी के पूर्व तक उस समय भारतवर्ष के दो बड़े मीडिया संस्थानों में से एक में विशेष संवाददाता था। तनख़्वाह थी मात्र 230 रुपए प्रतिमाह। संपादकीय पृष्ठ पर एक लेख लिखने पर प्रति लेख 10 रुपए अलग से मिल जाते थे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रेरणा और आशीर्वाद से भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास के लिये एक छोटा सा सेवामूलक कार्य शुरू किया और तीन लाख भूतपूर्व सैनिकों और बेरोज़गार युवक-युवतियाँ को रोज़गार दिया। आज उन संस्थाओं का वार्षिक कारोबार लगभग 13,000 करोड़ का है। संतोषप्रद लाभ भी है। लेकिन, मैं अपने लाभाँश का लगभग 95 प्रतिशत अपने पूज्य माता और पिताजी की स्मृति में स्थापित अवसर ट्रस्ट के माध्यम से ज़रूरतमंद लोगों की शिक्षा, चिकित्सा, बिना दहेज विवाह, किसी भी तरह की समाज सेवा करने वाली संस्थाओं की सहायता में खर्च करता हूँ। इससे जो आत्मीय संतुष्टि मिलती है, उसका वर्णन करना संभव नहीं है। धन की गति या तो व्यभिचार के लिये होगी या सदकार्यों के लिये ! अरबपतियों को एक ही रास्ता चुनना होगा। नोटों की गड्डी पर न तो आज तक कोई जला है, न जलेगा।तब बुद्धिमत्ता पूर्वक सबको यह सूचना चाहिये कि संचित धन का सदुपयोग करना है या दुरुपयोग?

नए-नए करोड़पतियों और अरबपतियों को अनुसंधान और विकास में भी निवेश करना चाहिए। ये दानवीर वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और नए क्षेत्रों में निवेश करके, भारत को वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में नेता बनने में मदद कर सकते हैं। वे नए उद्यमों को शुरू करने और भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निवेश कर सकते हैं।

इंफोसिस टेक्नोलॉजीज के को-फाउंडर नंदन नीलकणि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत दान देते हैं। उन्होंने कुछ समय पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे को 315 करोड़ रुपए दान किये। इससे पहले भी, उन्होंने आईआईटीढ बॉम्बे को 85 करोड़ रुपए दान किया था। यानी अब तक वो आईआईटी बॉम्बे को करीब 400 करोड़ रुपये का दान कर चुके हैं। दरअसल देश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के सफल छात्रों को अपने शिक्षण संस्थानों की आर्थिक मदद करनी चाहिए। इन संस्थानों को सरकार की मदद के सहारे पर नहीं छोड़ा जा सकता है। अमेरिका में पूर्व छात्र अपने कॉलेजों और विश्व विदलायों की भरपूर मदद करते हैं। पूर्व छात्रों की मदद से ही उनके शिक्षण संस्थानों में रिसर्च और दूसरी सुविधाएं बढ़ाई जा सकती हैं। नीलकेणी की सबसे बड़ी कामयाबी आधार कार्ड है। देश के हर नागरिक को एक विशिष्ठ पहचान संख्या या यूनिक आइडेंटीफिकेशन नम्बर को उपलब्ध करवाने का विचार उन्होंने ही सफलतापूर्वक चलाया था।

इसमें दो राय नहीं हो सकती कि भारत में नंदन नीलकेणी जैसे दानवीरों की संख्या को बढ़ाना होगा। अजीम प्रेमजी और शिव नाडर जैसे अरबपति दानवीर भी देश के युवाओं को सामाजिक उद्यमिता, सामुदायिक विकास और सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकते हैं। वे भारत के संसाधनों का प्रभावी उपयोग करके, गरीबी को दूर करने और मानवता की सेवा करने के लिए सहायता भी कर सकते हैं। कभी-कभी मन उदास हो जाता है कि भारत में दानवीरों की काफी कमी हैं। देखिए भारत में अब भी धनी लोग समाज के लिए धन देने से कतराते हैं। उन्हें लगता है कि उनका टैक्स देना ही काफी है। यह सोच बदलनी होगी। फिर भारत में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिससे लोगों को दान करने के लिए प्रेरित करने में कठिनाई होती है। उन्हें डर लगता है कि उनके दान का गलत उपयोग किया जाएगा। कई मामलों में यह होता भी है। फिर कई लोग दान के बारे में जानकारी नहीं रखते हैं या वे यह नहीं जानते कि वे दान कैसे कर सकते हैं।

इस बीच, यह कहना सही नहीं है कि यूरोप और अमेरिका में भारत से ज़्यादा दानवीर हैं।दानवीरता किसी भी देश या संस्कृति तक सीमित नहीं है। हर जगह अच्छे दिल वाले लोग होते हैं जो दूसरों की मदद करने को तैयार रहते हैं। हर देश के अपने-अपने दान करने के तरीके हैं और हर व्यक्ति की अपनी ज़रूरतें और सीमाएँ होती हैं. दानवीरता किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद और क्षमता पर निर्भर करती है, न कि किसी देश या संस्कृति पर। हमारे यहां बहुत से लोग मशहूर खिलाड़ियों और फिल्मी सितारों से शिकायत करते रहते हैं कि वे चैरिटी नहीं करते। हालांकि सच यह है कि कई सेलिब्रिटी अपने दानों के बारे में सार्वजनिक नहीं होना चाहते। उनका मानना हो सकता है कि दान करना एक निजी मामला है और इसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने की जरूरत नहीं है। कुछ सेलिब्रिटी किसी विशिष्ट कारण के प्रति सहानुभूति महसूस नहीं करते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सभी सेलिब्रिटी एक समान नहीं होते हैं। कुछ बहुत दानवीर होते हैं, जबकि कुछ नहीं भी करते हैं। इसलिए, यह मान लेना गलत होगा कि सभी सेलिब्रिटी दान नहीं करते हैं।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

चिंतन

चिंतन और वैचारिक क्षमता को जिंदा रखिए

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

विचार और सिद्धांत व्यक्ति के अंदर की अंतः प्रज्ञा होती है। और यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए अंतरात्मा को प्रभावित करती है और इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। यदि यही सिद्धांत और अंतःप्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर प्रस्फुटित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति सुकरात हुआ करते थे, उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं। विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।

विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्रों में विचारों के इस स्वतंत्र का प्रवाह को बाधित नियंत्रित कर दिया गया। अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमों को प्रतिबंधित कर दमन चक्र चलाया गया। वहां विचार और सिद्धांत विद्वान व्यक्ति तक ही सीमित रहे उसका फैलाव या विस्तार नहीं हो पाया। जो मानव समाज तथा मानव अधिकारों की संवेदना तथा धाराओं का उल्लंघन भी है।

किसी स्वस्थ, स्वतंत्र राष्ट्र के लिए व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विचारों की स्वतंत्रता नवीनता तथा उत्कृष्टता अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि विचारधारा और सिद्धांतों को रोक पाना किसी भी सत्ता या निरंकुश राजा के नियंत्रण में नहीं होता। विचारों और सिद्धांत अनादि काल से गतिशील है तथा अनंत तक जगत तक गतिशील रहेंगे,और उसका प्रतिपादक एवं अनुशीलन कर्ता विचारों के साथ अमर हो जाते हैं।

नजरिया

सेहत, शुभकार्य और रोजगार का खजाना है नारियल

बाल मुकुंद ओझा

मोबाइल : 9414441218

विश्व नारियल दिवस हर साल 2 सितंबर को मनाया जाता है। नारियल दिवस की 2024 की थीम चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिए नारियल: अधिकतम मूल्य के लिए साझेदारी का निर्माण रखी गई है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को नारियल के महत्व और उपयोग के बारे में जागरूक करना और नारियल के उद्योग को कच्चे माल के रूप में उपयोग किए जाने को प्रोत्साहन देना है। इस दिवस को एशियाई प्रशांत नारियल समुदाय के गठन की याद में मनाया जाता है। यह एक संगठन है, जिसमें 18 सदस्य हैं। भारत इसका संस्थापक सदस्य है।

नारियल हर तरह से हमारे लिए उपयोगी है। भारत के घर घर में नारियल मिल जायेगा। नारियल का महत्व केवल पूजा पाठ ही नहीं बल्कि पौष्टिकता के साथ ही स्वास्थय लाभ के लिए होता है। नारियल के पेड़ को कल्पवृक्ष भी कहा जाता है। इसका पौधा एक बार लगाने के बाद 80 साल से भी ज़्यादा समय तक फल देता है। इसके पेड़ की ख़ासियत है कि इसका हर हिस्सा उपयोगी है। नारियल की खेती किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसका फल जब कच्चा होता है तो उसे नारियल पानी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। पक जाने पर पूजा-पाठ से लेकर मिठाई और कई व्यंजनों में इसका इस्तेमाल होता है। नारियल एक ऐसा फल है जिसके प्रत्येक भाग को हम अलग-अलग तरह से उपयोग कर सकते हैं। नारियल या नारियल का तेल सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। नारियल खाने से जहां आप कई रोगों से बचे रहते हैं, तो वहीं नारियल तेल बालों और स्किन की खूबसूरती बढ़ाने में काफी मददगार होता है। नारियल की चटनी, नारियल की बर्फी हमारे यहाँ बहुतायत से बनती है। यह एक ऐसा फल है जो कि न केवल सारे वर्ष उपलब्ध रहता है बल्कि जरूरत पड़ने पर हमारी भूख-प्यास भी मिटा देता है। यह श्रीफल के रूप में प्रयोग किया जाता है। देवी देवताओं और प्रत्येक शुभ कार्यों में हम नारियल का उपयोग करते है,इसी से पत्ता चलता है हमारे जीवन में नारियल का कितना महत्त्व है। पॉलिथीन का विकल्प नारियल हो सकता है। पॉलिथीन को हटाकर हम नारियल की जटा से बने थैलों का उपयोग कर सकते हैं। इससे प्लास्टिक कचरे से हम मुक्त हो सकते है।

भारत विश्व में नारियल गरी के उत्पादन और उत्पादकता में नंबर एक स्थान पर है। यह मुख्य रूप से 12 तटीय राज्यों में उगाया जाता है। देश के दक्षिणी राज्यों केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में देश के 90 फीसद नारियल की सघन खेती की जाती है। कर्नाटक, गुजरात और राजस्थान के जयपुर में इसकी काफी बड़ी मंडिया है। केरल और गुजरात की मंडी काफी दूर हैं। वहां से भाड़ा अधिक पड़ता है। इसलिए इन राज्यों से जयपुर की मंडी में भी माल आता है। कई बड़े-बड़े शहरों के अंदर हजारों लाखों में नारियल की खपत होती है। वैश्विक उत्पादन में 30.93 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत सबसे बड़ा नारियल उत्पादक देश है, और उत्पादकता के मामले में दूसरे स्थान पर है। वर्ष 21-22 में नारियल का 4,210.87 टन उत्पादन हुआ।

विश्व में नारियल को उत्पादन करने वाले देशों की सूची में भारत के अलावा इंडोनेशिया, ब्राजील, श्रीलंका और फिलीपींस जैसे देश है। इसके अलावा फिजी, पपुआ न्यू गिनी, केन्या, थाईलैंड, मार्शल आइलैंड में यह भारी मात्रा में पैदा होता है. यहां से देश विदेश में आयात निर्यात होते है।

नारियल की खेती हमारे देश में लगभग एक करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करती है। देश के चार दक्षिणी प्रदेश केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में नारियल की सघन खेती की जाती है। देश का 90 प्रतिशत तक नारियल यहीं से प्राप्त किया जाता है। यह नमकीन मिट्टी में समुद्र के किनारे उगाया जाता है। नारियल-पानी पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्द्धक होता है। गर्मी के मौसम में नारियल-पानी पीकर हम अपनी प्यास बुझाते हैं। जब नारियल पकता है, तो इसमें अंदर से सफेद नारियल का फल प्राप्त होता है। यह पूजा में काम आता है। सफेद नारियल हम कच्चा भी खाते हैं। मिठाई और कई पकवान बनाने में भी इस्तेमाल करते हैं। नारियल के रेशों से गद्दे, थैले तथा और भी कई प्रकार की उपयोगी चीजें बनाई जाती हैं। नारियल को विभिन्न प्रकार से उपयोग कर हम भिन्न-भिन्न वस्तुएँ बनाते हैं और देश के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों में इनका व्यापार भी करते हैं। इससे बनी वस्तुओं के निर्यात से भारत को हर साल हजारों करोड़ रुपये की आमदनी होती है। नारियल का उपयोग धार्मिक कर्मकांडों में भी किया जाता हैं। भारत में इस लिए यह पवित्र माना गया है। स्वास्थ्य की दृष्टि से नारियल को बहु उपयोगी माना जाता है। विभिन्न बीमारियों के उपचार में नारियल का अहम योगदान है। नारियल के पानी को पीने से डायरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया, जैसी बीमारियों में राहत मिलती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

नई दिल्ली में रविवार को भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मालवीय नगर विधानसभा के इंदिरा कल्याण विहार कैंप में दिल्ली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

ढाका अस्पताल में हमले के विरोध में बांग्लादेश के चिकित्सक हड़ताल पर गए

ढाका,/भाषा

ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) में चिकित्सकों की कथित लापरवाही के कारण एक छात्र की मौत के बाद चिकित्साकर्मियों पर हुए हमले के विरोध में बांग्लादेश में सार्वजनिक और निजी अस्पतालों में चिकित्सकों ने रविवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की घोषणा की।

प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने हमले के दोषियों के खिलाफ तत्काल कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की मांग की, साथ ही काम पर लौटने की पूर्व शर्त के रूप में कार्यस्थलों पर सुरक्षा की भी मांग की। देश भर के चिकित्सकों ने चार सूत्री मांगों को लेकर एक सितंबर से सभी सार्वजनिक और निजी अस्पतालों को पूरी तरह बंद रखने की घोषणा की है। उनकी मांगों में शनिवार रात को ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) में चिकित्सकों पर हमले में शामिल लोगों की गिरफ्तारी भी शामिल है।

प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने डीएमसीएच परिसर में मीडिया से कहा, जितनी जल्दी वे हमारी मांगें मान लेंगे, उतना ही बेहतर होगा। हमारी मांगें पूरी होते ही हम (मरीजों का) इलाज शुरू कर देंगे।

उन्होंने कहा कि नर्सों ने भी चिकित्सकों के साथ एकजुटता व्यक्त की और काम पर आने से इनकार कर दिया। यह पूछे जाने पर कि यदि इलाज के अभाव में किसी की मौत हो जाती है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा, प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने कहा कि ऐसी किसी भी घटना के लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। चिकित्सकों ने देश की सभी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में सशस्त्र स्वास्थ्य पुलिस की तैनाती के माध्यम से तत्काल सुरक्षा उपाय करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि यदि किसी भी अस्पताल में मरीज की देखभाल में कोई अनियमितता या लापरवाही देखी जाती है तो संबंधित अधिकारियों से शिकायत के माध्यम से उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

सिंगापुर में एआर रहमान के गानों पर झूमे हजारों प्रशंसक

सिंगापुर,/भाषा। ऑस्कर पुरस्कार विजेता ए.आर. रहमान ने सिंगापुर में एक संगीत समारोह में उपस्थित करीब 25,000 दर्शकों के बीच, अपने हिट गाने प्रस्तुत किए।

पूर्व राष्ट्रपति हलीमा याकूब और उनके पति की मौजूदगी में संगीतकार ने 1990 और 2000 के दशक के अपने बेहद लोकप्रिय तमिल और हिंदी गाने प्रस्तुत किए, जिनमें मुक्काला मुकाबला और तेरे बिना शामिल थे। तालियों की गड़गड़ाहट और सीटियों के बीच हुए स्वागत के बाद संगीतकार ने शनिवार के कार्यक्रम की शुरुआत 2008 की फिल्म स्लमडॉग मिलिनेयर के अपने सर्वश्रेष्ठ मूल गीत व ऑस्कर विजेता रचना जय हो से की। रविवार को 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, मंच पर उनके साथ गायकों, नृत्य कलाकारों और संगीतकारों का 31 सदस्यीय दल था, जिसमें उनके बेटे ए.आर. अमीन भी शामिल थे।

तीन घंटे तक चले कार्यक्रम के दौरान, भारतीय पार्श्व गायक मोहित चौहान और रक्षिता सुरेश जैसे गायकों ने भी मंच पर प्रस्तुति दी और रॉकस्टार (2011) से नादान परिंदे और पद्मप्पा (1999) से मिनसारा पूवे जैसे लोकप्रिय गीत गाकर लोगों का मनोरंजन किया। आम तौर पर कम बोलने वाले रहमान अपने 21 वर्षीय बेटे को मंच पर लेकर आए और उनके चेहरे पर गर्व साफ झलक रहा था।

विरोध मार्च

मुंबई में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के कार्यकर्ता रविवार को मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के ढहने को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध मार्च में हिस्सा लेते हैं।

फिल्म 'शोले' की विशेष स्क्रीनिंग: प्रशंसकों ने पुरानी यादें ताजा कीं

मुंबई,/भाषा। 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' गाने से लेकर हर मशहूर संवाद और हर अभिनेता की एंट्री पर तालियां बजाने तक प्रशंसकों ने फिल्म 'शोले' की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान इसके जादू को फिर से महसूस किया। फिल्म 'शोले' की रिलीज को लगभग 50 साल पूरे हो चुके हैं।

गैर-लाभकारी संगठन फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन (एफएचएफ) ने कोलाबा के रीगल सिनेमा में 1975 की प्रसिद्ध फिल्म 'शोले' की 'विंटेज प्रिंट' में विशेष स्क्रीनिंग का शाम छह बजे आयोजन किया था। फिल्म देखने के लिए लोग लंबी-लंबी कतारों में खड़े नजर आए।

फिल्म 'शोले' बॉलीवुड के इतिहास की सबसे प्रसिद्ध फिल्मों में से एक है। सलीम खान और जावेद अख्तर ने यह फिल्म लिखी तथा रमेश सिप्पी ने इसका निर्देशन किया था।

जय, वीरू और ठाकुर जैसे लोकप्रिय पात्रों के साथ-साथ हिंदी सिनेमा के प्रतिष्ठित खलनायकों में से एक गब्बर सिंह और भरपूर संवादों तथा एक्शन आधारित दृश्यों के कारण लोगों ने इस फिल्म को बहुत पसंद किया था। हजार से अधिक सीटों वाले रीगल सिनेमाघर में फिल्म 'शोले' की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान लोगों का उत्साह देखने लायक था। वे इस फिल्म को उसके मूल स्वरूप में देखने के लिए काफी उत्साहित नजर आए। एक प्रशंसक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं उसी समय में वापस चला गया हूं। 'विंटेज प्रिंट' वाकई पुराने जमाने का अनुभव देता है। दर्शक उत्साहित हैं। वाकई यह एक अविस्मरणीय अनुभव है।

फिल्म 'शोले' में अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी, जया बच्चन (जया भादुड़ी), संजीव कुमार, अमजद खान, ए के हंगल, असरानी, इफ्तिखार, जगदीप, केष्टो मुखर्जी, लीला मिश्रा, मैक मोहन और विजू खोटे सहित कई कलाकारों ने भूमिका निभाई थी।

फिल्म 'शोले' की स्क्रीनिंग से पहले प्रसिद्ध लेखक सलीम और जावेद ने प्रशंसकों से बात की। उन्होंने तालियां और सीटियां बजाकर उनका स्वागत किया।

बांग्लादेश में पांच अगस्त से अब तक 49 अल्पसंख्यक शिक्षकों को इस्तीफा देने के लिए विवश किया गया

ढाका,/भाषा

बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद से अब तक हिंसा प्रभावित देश में अल्पसंख्यक समुदायों के कम से कम 49 शिक्षकों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। अल्पसंख्यकों के एक संगठन ने यह जानकारी दी।

समाचार पत्र 'द डेली स्टार' की खबर के अनुसार, बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई ओइक्या परिषद' की छात्र शाखा 'बांग्लादेश छात्र ओइक्या परिषद' ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही।

संगठन के समन्वयक साजिब सरकार ने कहा कि 76 वर्षीय प्रधानमंत्री हसीना के पद से हटने और उनके देश से जाने के बाद कई दिन तक जारी रही हिंसा में देश भर में अल्पसंख्यक शिक्षकों के साथ मारपीट की घटनाएं हुईं और उनमें से कम से कम 49 को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

रिपोर्ट में साजिब के हवाले से कहा गया कि बाद में उनमें से 19 को बहाल कर दिया गया।

सरकार ने कहा कि इस अवधि के दौरान धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों को हमलों, लूटपाट, महिलाओं पर हमले, मंदिरों में तोड़फोड़, घरों और व्यवसायों पर आगजनी और हत्याओं जैसी घटनाओं का भी सामना करना पड़ा। 'बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद' और 'बांग्लादेश पूजा उदजापन परिषद' की ओर से संकलित आंकड़ों के अनुसार, हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद से 52 जिलों में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर हमले की कम से कम 205 घटनाएं हुईं।

फिल्म 'तुम्बाड' का नया पोस्टर हुआ जारी

मुंबई/एजेन्सी

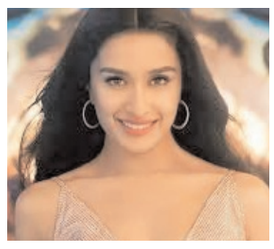

फिल्म 'तुम्बाड', जो असल में साल 2018 में रिलीज़ हुई थी, वह 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में वापसी करते हुए फिर से रिलीज होने जा रही है। इस री-रिलीज़ से फैंस और नए दर्शकों को 'तुम्बाड' की डरावनी दुनिया का फिर से अनुभव करने का मौका मिलेगा। इस फ़िल्म को एक काल्पनिक, पौराणिक गाँव में स्थापित हॉरर और फंतासी के अनोखे मिश्रण के लिए खूब पसंद और सराहा गया है।

मेकर्स द्वारा अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया पर शेयर किए गए नए पोस्टर में तुम्बाड के खौफनाक माहौल को दिखाया गया है। इसमें नायक विनायक राव (सोहम शाह द्वारा निभाया गया किरदार) को अपने छोटे बेटे के साथ हाथ में लालटेन लिए, भयावह रात में आगे बढ़ते हुए दिखाया गया है। दोनों किरदार एक खतरनाक सफर पर हैं, जो कहानी में मौजूद एक जोखिम भरे मिशन की ओर इशारा करती है। पोस्टर में दिखाई गई डरावनी छवियां, जिसमें एक गहरे, अलौकिक साये की मौजूदगी शामिल है, छिपे खजाने की खोज में उनके सामने आने वाले डर को पेश करती हैं। पोस्टर संग मेकर्स ने टैगलाइन दिया है, सिनेमाघरों में 13 सितंबर, 2024 को करें अनुभव, इस तरह से यह बड़े पर्दे पर एक यादगार अनुभव का वादा करती है।

तुम्बाड, जिसे राही अनिल बर्वे ने डायरेक्ट किया, आनंद गांधी ने क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में मार्गदर्शन किया और आदेश प्रसाद ने को-डायरेक्ट किया, को इसकी दिलचस्प कहानी, प्रभावशाली सिनेमैटोग्राफी और अद्भुत प्रोडक्शन डिजाइन के लिए बहुत सराहना मिली है। मितेश शाह, प्रसाद, बर्वे और गांधी द्वारा लिखित, फिल्म को सोहम शाह, आनंद एल राय, मुकेश शाह और अमिता शाह ने प्रोड्यूस किया था। विनायक राव की यह कहानी लालच और जुनून की गहराई में उतरने की है, जहां वह हस्तर नाम के दुष्ट प्राणी के पहरे में रखे गए एक पौराणिक खजाने की खोज में लगा है।

'तुम्बाड' क्रिटिकल रूप से सफल रही, जिसे 64वें फिल्मफेयर अवार्ड्स में आठ नॉमिनेशन हासिल हुए थे, जिसमें से बेस्ट सिनेमेटोग्राफी, बेस्ट आर्ट डायरेक्शन और बेस्ट साउंड डिजाइन के लिए तीन अवार्ड मिले थे। 'तुम्बाड' 75वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में क्रिटिक्स वीक सेक्शन में दिखाई जाने वाली पहली इंडियन फिल्म थी। सोहम शाह के दमदार परफॉर्मेंस के अलावा, कास्ट में ज्योति मालशे और अनीता दाते-केलकर शामिल थे, जिन्होंने फिल्म की कहानी को डरावनी और आकर्षक बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

तुम्बाड का सिनेमाघरों में वापस आने के साथ, यह री-रिलीज़ न सिर्फ फिल्म को फिर से देखने का मौका है बल्कि यह लालच, पौराणिक कथाओं और डरावनी दुनिया को एक बार फिर से देखने का अवसर है, जिसने छह साल पहले दर्शकों को रोमांचित किया था। यह फिल्म 2024 में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर नहीं आएगी, इसलिए इसे देखने का सबसे बेहतरीन मौका 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में होगा, जो एक अनदेखा न करने वाला इवेंट है।

'स्त्री 2' की सुपर सफलता से बेहद खुश हैं श्रद्धा कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी फिल्म स्त्री 2 की सुपर सफलता से बेहद खुश है। फिल्म 'स्त्री 2' वर्ष 2018 में रिलीज सुपरहिट फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल है। फिल्म 'स्त्री 2' में श्रद्धा कपूर, राज कुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, तमन्ना भाटिया, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार हैं। अमर कौशिक के निर्देशन में बनीं फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी का परचम लहरा दिया है। फिल्म स्त्री 2, भारतीय बाजार में नेट 441 करोड़ की शानदार कमाई कर चुकी है। फिल्म स्त्री 2 भारत की पहली हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसने इतनी शानदार कमाई की है। श्रद्धा कपूर ने फिल्म स्त्री 2 की सुपर सफलता पर खुशी जताते हुए इसके मेकर्स को शुक्रिया कहा है। श्रद्धा

कपूर ने सोशल मीडिया पर निर्देशक अमर कौशिक और निर्माता दिनेश विजन की छह साल पुरानी तस्वीरें साझा कर उन्हें स्त्री फ्रेंचाइजी में शामिल करने के लिए धन्यवाद दिया है। श्रद्धा कपूर ने लिखा, छह साल पुरानी तस्वीरें, पहली स्त्रीके दौरान हमारे सुपर डुपर ब्लॉकबस्टर निर्माता और निर्देशक के साथ...दीनू और अमर मुझे अपने कमाल, बेमिसाल और लाजवाब पिक्चरों में शामिल करने के लिए धन्यवाद।

फिल्म 'कुली' में काम करेंगी श्रुति हासन

मुंबई/एजेन्सी

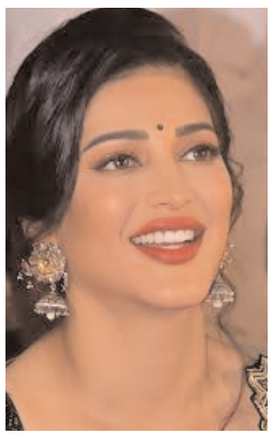

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रुति हासन, दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की आने वाली फिल्म कुली में काम करती नजर आयेंगी। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही फिल्म कुली में रजनीकांत की मुख्य भूमिका है। फिल्म कुली में अब श्रुति हासन की एंट्री हो गयी है।

फिल्म कुली के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया पर श्रुति हासन के किरदार पोस्टर को साझा किया है।निर्माताओं की तरफ से

जारी किए गए मोनोक्रोमैटिक पोस्टर में श्रुति हासन को फिल्म कुली में प्रीति के रूप में पेश किया गया है। पोस्टर में श्रुति हासन को एक कुदाल पकड़े हुए दिखाया गया है।

नए रोमांचक अपडेट को साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, 'कुली की दुनिया से श्रुति हासन को प्रीति के रूप में पेश कर रहे हैं। फिल्म 'कुली' का निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया गया है, जिसमें अनिरुद्ध रविचंदर संगीत निर्देशक हैं। वहीं, फिल्म को 2025 में रिलीज करने की योजना है।

'बिन्नी एंड फैमिली' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन की आने वाली फिल्म 'बिन्नी एंड फैमिली' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 'बिन्नी एंड फैमिली' से अंजिनी धवन बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। जेनरेशन गैप पर आधारित इस फिल्म का ट्रेलर अब रिलीज हो गया है। ट्रेलर में अंजिनी के किरदार को उनके दादा यानी पंकज कपूर की भूमिका से काफी अलग दिखाया गया है। ट्रेलर की शुरुआत में वॉयस ओवर होता है, यह सब आपके दादा-दादी से प्यार करने के बारे में है।फिल्म 'बिन्नी एंड फैमिली' के ट्रेलर में तीन पीढ़ी की कहानी को काफी बेहतरीन तरीके से पर्दे पर दिखाया गया है। एक बूढ़े व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ बेटे के घर उससे मिलने और कुछ दिन साथ रहने आते हैं।

बेटा और बहू तो साथ रहने में काफी एडजस्ट करते हैं, लेकिन उनकी पोती जो कि फ्रीडम में विश्वास करती है उसे काफी परेशानी होती है। फिल्म बिन्नी एंड फैमिली' अंजिनी धवन,पंकज कपूर, हिमानी शिवपुरी, राजेश कुमार, चारु शंकर और नमन त्रिपाठी भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन संजय त्रिपाठी ने किया है और फिल्म का निर्माण एकता कपूर ने किया है। वरुण धवन ने कहा, 'बिन्नी एंड फैमिली' जैसी फिल्में बननी चाहिए। मैंने तो पिक्चर देखी है और यह बहुत अच्छी है। दादा-दादी के साथ हमारे रिश्ते काफी सुंदर होते हैं। इस फिल्म के लिए मैं बहुत खुश हूं और काफी एक्साइटेड हूं। अंजिनी ने कहा, मैं फिल्म 'बिन्नी एंड फैमिली' को लेकर काफी उत्साहित हूं क्योंकि मैं हमेशा से ही अपने दादा-दादी के काफी प्लोज रही हूं। वह मेरे माता-पिता से काफी मॉर्डन रहे हैं। संजय सर ने इस फिल्म की कहानी को पूरी ईमानदारी के साथ लिखा है।

फिल्म 'मालिक' का पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव ने आज अपने जन्मदिन के अवसर पर अपनी आने वाली फिल्म मालिक का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। राजकुमार राव आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म मालिक का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। टिप्स फिल्म्स और नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स अब राजकुमार राव को लेकर फिल्म मालिक में पेश करने के लिए तैयार हैं। कुमार तौरानी और जय शेखरमानी ने अपनी आगामी फिल्म मालिक की घोषणा की, जिसमें राजकुमार राव पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में नजर आएंगे। राजकुमार राव ने फिल्म मालिक के पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया है। साथ ही, उन्होंने यह भी जानकारी दी है कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्ट के कैप्शन में राजकुमार राव ने लिखा, मालिक की दुनिया में आपका स्वागत है। शूट शुरू हो चुका है। जल्द ही मुलाकात होगी। फिल्म मालिक का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। फिल्म मालिक का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स बैनर और जय शेखरमानी की नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के तहत किया जा रहा है।

अमिताभ बच्चन में वह पावर है, जब किसी कमरे में वे प्रवेश करते हैं, तो ज्यादातर लोग खड़े हो जाते हैं : करण जौहर

मुंबई/एजेन्सी

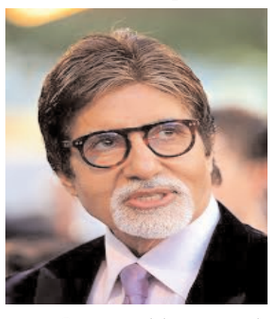

फिल्म निर्माता करण जौहर ने हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान अपने बचपन के दिनों की बातों को साझा किया था। पॉडकास्ट का नाम था 'जाने मन'। इस पॉडकास्ट में रैपिड राउंड हुआ, उनसे कुछ सवाल किए गए, जिनका जवाब उन्हें देना था। पॉडकास्ट के दौरान, जब उन्हें पावर और शांति शब्द के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पावर के लिए फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन का नाम सुझाया और शांति के लिए दिवंगत आध्यात्मिक गुरु दादा वासवानी का। करण ने कहा कि मुझे लगता है कि अमिताभ बच्चन में वह पावर है, जब किसी कमरे में वे प्रवेश करते हैं, तो ज्यादातर लोग खड़े हो जाते हैं और उन्हें पता नहीं होता कि वे क्यों खड़े हैं। असल में यही सच्ची शक्ति है। शांति के लिए दादा

वासवानी का नाम लेते हुए करण ने कहा कि वह अब हमारे बीच नहीं हैं। मुझे उनसे मिलकर शांति महसूस हुई और मैंने उनका साक्षात्कार लिया। यकीन मानिए, आध्यात्मिक दुनिया के लोगों से कभी इतना प्रभावित नहीं हुआ। लेकिन मैं उनकी उपस्थिति से बहुत प्रभावित हुआ और मुझे शांति महसूस हुई। आखिरी बार रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अभिनीत 'रॉकी ङ्कङ्कऔर रानी की प्रेम कहानी' का निर्देशन करने वाले करण ने कहा कि उन्हें एक इंसान के तौर पर अपने सफ़र पर गर्व है और वे इसे किसी भी तरह अलग तरीके से जीने का प्रयास नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा, मैं कभी भी दूसरे लड़कों की तरह नहीं था, उनकी रुचियां, उनकी शैली, उनके खेल - यह बस मैं नहीं था। मुझे यह समझने में सालों लग गए कि मुझे अलग होने के लिए किसी से माफी मांगने की जरूरत नहीं है। मैं जो हूं, उसे स्वीकार किया है और यही मेरी शक्ति बन गई है।

आज तक, मैंने जिस तरह से जीवन जिया है या जो काम मैंने किया है, उस पर मुझे कभी पछतावा नहीं हुआ है। मैं जो कुछ भी करता हूं, वह खुद के लिए है, बिना किसी खेद के। मैं बस अपनी सच्चाई जीना चाहता हूं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 02-09-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सिद्धप्रभाजीके सान्निध्य में अर्हम भवन में पर्युषण पर्व का शुभारंभ हुआ। साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी ने नमस्कार महामंत्र से शुभारंभ करते हुए उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया।

प्रभु अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मागड़ी रोड स्थित प्रेस्टीज वेस्ट वुड अपार्टमेन्ट में रविवार को पर्युषण पर्व के उपलक्ष्य में सरगम मंडल द्वा अस्तोती अभिषेक का आयोजन किया जिसमें सभी निवासियों ने बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ अभिषेक का लाभ लिया।

आत्मा में बसने व प्रदूषण से बचने का पर्व है पर्युषण : साध्वीश्री आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में विराजित साध्वीश्री आगमश्रीजी ने पर्वाधिराज महापर्व का स्वागत करते हुए कहा जैन धर्म को आत्मा में बसना ही पर्युषण है। दुनिया में बसना प्रदूषण है। यह पर्व प्रदूषण से निवृत होने की प्रेरणा देने आया है। हमारे भीतर रह रहे कषाय, राग द्वेष, मोह आदि के सारे प्रदूषण को त्याग कर पर्व मनाना है। ये आठ दिन में आत्मा को श्रृंगारित किया जाता है। मुखड़े का मैकअप नही, आत्मा का चेकअप करने का समय है। यह त्योहार खाने पीने के लिए नहीं बल्कि त्याग तपस्या से किया जाता है। इस पर्व की आराधना देवी देवता नंदीश्वर द्वीप में जाकर मानते हैं। मानव उत्सव प्रिय है। भारतीय संस्कृति में नित नए पर्व की आराधना करने के लिए आगे बढ़ता है। वार के दिन सात हे पर यह त्योहार आठ दिन मनाए जाते हैं। जीवन को तमाशा नहीं अपितु तीर्थ बनाना है।

एक यही पर्व है जो आनंद, उत्साह, खुशियां, तप त्याग से मनाया जाता है। जीव रक्षा हेतु बालक, बालिका, वृद्ध सभी इस को मानते है। जो अपनी आत्म रक्षा करता है। धर्म कल्याणकारी है। धर्म और संस्कृति की छोटी छोटी कहानियों से सत्ताइस भव के बारे में प्रोजेक्ट बनाने वालों को सम्मान करके उपहार वितरित किए गए। पर्युषण पर्व पर सुनीता संघवी ने मधुर गीतिका पेश की। संचालन मंत्री अशोक बांठिया ने किया।

आत्मा को उज्जवल बनाने का पर्व है पर्युषण पर्व : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सिद्धप्रभाजीके सान्निध्य में अर्हम भवन में पर्युषण पर्व का शुभारंभ हुआ। साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी ने नमस्कार महामंत्र से शुभारंभ करते हुए उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया। साध्वी श्री मलययशाजी, आस्थाप्रभाजी एवं दीक्षाप्रभा जी ने पर्यूषण 'आन दि व्हील्स' थीम के माध्यम से 8 दिन तक चलने वाले इस पर्व के विभिन्न पहलुओं पर शब्द चित्र एवं गीतिका के माध्यम से प्रकाश डाला। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने कहा कि जैन धर्म का महत्वपूर्ण पर्व है पर्युषण। यह पर्व है उपासना का, उपशम की साधना का, तपोभाव का और मैत्री भाव का है। यह पर्व आत्मा को उज्जवल बनाने का पर्व है, अपने भीतर रमण करने का पर्व है। श्वेतांबर एवं दिगंबर परंपरा में पर्युषण पर को अहिंसा का भी पर्व कहा गया है। साध्वीश्री ने विभिन्न प्रसंगों द्वारा बताया कि आध्यात्मिक ही नहीं, व्यक्तिगत जीवन में भी अहिंसा का बहुत महत्व है।

हमें आराधक बनना है विराधक नहीं और इसके लिए हमें अपने दोषो का मूल्यांकन करते हुए उनका प्रायश्चित और आलोचना करनी है। राग-द्वेष रूपी जो कांटे हमारे शरीर में लगे हुए हैं उन्हें निकाल बाहर करते हुए आत्मा को उज्जवल बनाना है जिनके मन अहिंसा तप संयम आदि में लगा रहता है देवता भी उसे नमस्कार करते हैं।

समता,तप संयम की साधना तभी संभव है जब हम खाद्य संयम करें ।आध्यात्मिकता के शिखर पर चढ़ना है तो जिह्वा पर नियंत्रण करना होगा। तपस्या से कई तरह की बीमारियों का भी समाधान होता है । अष्टमी चतुर्दशी और अमावस्या को यदि तप किया जाए तो मानसिक विकारों का ह्रास होता है। साध्वीश्रीजी ने पूरे पर्युषण काल में द्रव्य सीमा एवं रात्रि भोजन त्याग की प्रेरणा दी।

अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने सभी को शुभकामनाएं दी। उपाध्यक्ष बाबूलाल जैन, ललित सेठिया, मंत्री दिनेश हिगड़, सहमंत्री ज्ञानु नाहटा, सहमंत्री विमल दक, संगठन मंत्री मनोहरलाल बोहरा,तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

'आत्मनिरीक्षण का पर्व है पर्युषण पर्व'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी के सान्निध्य में अष्टदिवसीय नवकार महामंत्र जाप शुरू हुआ। पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस को अहिंसा दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि जैन धर्म में पर्युषण पर्व का स्थान सर्वोपरि हैं। यह पर्व आत्मनिरीक्षण का पर्व हैं। यह आत्मा की परम शुद्धि करने वाला हैं। यह प्रत्येक आत्मा को आध्यात्मोन्मुखी द्वाष्टि प्रदान करता है। वैर-विरोध का शमन करके प्रेम, क्षमा व मैत्री की त्रिवेणी प्रवाहित कर जन्म-जन्म से लगे पापों का प्रक्षालन करता हुआ आत्मा को पवित्र, निर्मल शुद्ध बनाने का पावन संदेश प्रसारित करता है। उन्होंने कहा कि हमें 'पर्युषण' शब्द के शरीर को नहीं बल्कि उसकी आत्मा को पकड़ना चाहिए। किसी दूसरे की निन्दा, विकता न करके आत्म निरीक्षण करना व स्व में झांक कर देखना ही पयूषण पर्व मन्त्रो की सार्थकता है। तप-त्याग व धार्मिक अनुष्ठानों को श्रद्धा व निष्ठापूर्वक जीवन में अंगीकार करें। बड़े ही पुण्य योग से ऐसा अवसर मिलता है। इसलिए इस अवसर का लाभ कमाना चाहिए।

इससे पूर्व साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने अन्तगढ़ सूत्र का वाचन और विवेचन करते हुए सूत्र में वर्णित प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन में सम्माहित गौतम कुमार आदि दस कुमारों का प्रेरणादायी कथानक पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पर्व दो प्रकार के होते हैं लौकिक और लोकोत्तर पर्व। पर्युषण महापर्व लोकोत्तर पर्व है जो अन्तर से आत्मा के शुद्ध, पवित्र भावों से हैं। इस पर्व की महिमा अवर्णनीय हैं। जहाँ मनुष्यलोक ही नहीं अपितु सुमेरु पर्वत के नंदीश्वर द्वीप पर देवगति के देव भी आकर आठ दिनों तक अष्टान्हिका महोत्सव के रूप में बड़े ही उत्साह और उमंगपूर्वक इस पर्व को मनाते है। भगवान महावीर का धर्म दयामय करुणामय और अहिंसामय धर्म है। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित हुए सभी ने अपनी श्रद्धा भक्ति, सार्मथ्यनुसार विभिन्न प्रकार के त्याग - प्रत्याख्यान ग्रहण किए। मध्यान्ह में कल्पसूत्र का वाचन एवं धार्मिक प्रतियोगिता रखी गई। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

क्षमा प्रदान करने व क्षमा मांगने का पर्व है पर्युषण : मुनिश्री मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मलयप्रभसागरजी ने पर्युषण पर्व के दूसरे दिवस व दूसरे दादा गुरुदेव मणिधारी श्री जिनचन्द्रसूरीश्वरजी महाराजा की 858 वीं पुण्यतिथि के निमित्त कहा कि प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीजी के पट्टधर मणिधार श्री जिनचंद्र सूरी जी के स्वर्गवास के इतने वर्षों बाद भी गुरुदेव के गुणानुवाद करने का हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मणिधारी गुरुदेव की साधना के बल पर अनेक चमत्कार उनके जीवन में घटित हुए थे जिनसे जिनशासन आज भी शोभायमान है। पर्युषण पर्व के द्वितीय दिवस पर मुनिश्री ने कहा कि हमें चिंतन करना है कि हमें इन आठ दिनों में सब कुछ भूल कर सिर्फ पर्युषण महापर्व को ही याद रखना है। इस पर्व के पांच कर्तव्यों में तीसरा कर्तव्य चैत्य परिपाटी है, इसमें हमें जितनी ज्यादा हो सके परमात्मा की भक्ति करनी है। हमारी आत्मा भी परमात्मा की आत्मा जैसी ही है, हमारी आत्मा के ऊपर कर्मों का आवरण आ गया है। हमें परमात्मा बनने के लिए सिर्फ हमारी आत्मा के ऊपर आए हुए आठ कर्मों के आवरणों को हटाना है, आवरण हटते ही हमारी आत्मा भी परमात्मा बन सकती है।

संतश्री ने कहा कि चतुर्थ कर्तव्य के रूप में पर्युषण के दौरान हमें कम से कम एक अट्ठम तप करना ही चाहिए। परमात्मा महावीर के सिद्धांतों को जगत के सामने प्रस्तुत करना भी जिन शासन की प्रभावना है। खामेमि सव्वे जीवा के रूप में पांचवा कर्तव्य हमें संवत्सरी प्रतिक्रमण के पश्चात सभी जीवों से क्षमापना करनी है। हमें सभी को क्षमा प्रदान करनी है और क्षमा भी मांगनी है। हमें हमारे मन में पड़ी ग्रंथियां को खोलना है और क्षमापना करके अपनी आत्मा को हल्का करना है। यह पर्युषण हमें यही दिव्य संदेश देता है कि वैर विरोध का रिश्ता हमें भवों भव तक नहीं छोड़ता है। हमें विपरीत परिस्थितियों में क्षमा मांगनी है और क्षमा प्रदान करनी है। प्रवचन के दौरान गुरुवर द्वारा कल्पसूत्र का वांचन सोमवार से किया जाएगा। कल्पसूत्र को चतुर्विध संघ के साथ बाजते गाजते घर पर ले जाकर रात्रि भक्ति भावना करवाने और गुरुवर को बोहराने का लाभ गौतमकुमार मोहनलाल बागरेचा परिवार वालों ने लिया।

आत्मा को त्याग व तप से संवारने का पर्व है पर्युषण महापर्व: साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सन्निध्य में पर्युषण पर्व प्रारंभ हुआ। साध्वी संयमलताजी ने पर्युषण पर्व पर श्रावकों को सम्बोधित करते हुए कहा जिस प्रकार मंत्रो में नवकार मंत्र, रत्नों में चिन्तामणि रत्न, रसायन में अमृत रसायन, महिनों में भाद्रव महिना सर्व श्रेष्ठ है उसी प्रकार पर्वो मे पर्युषण पर्व सर्वश्रेष्ठ है। अपनी पहचान का पर्व है, आत्मा को त्याग व तप से संवारने का पर्व है, सामायिक व पौषध से संवारने का पर्व है, स्वाध्याय व ध्यान से आत्मा को संवारने का पर्व है। साध्वीश्रीजी ने चन्दनबाला के तेले की महत्ता बताते हुए सभी से तेला करने का आह्वान किया। रविवार को मुख्य दिवस खाद्य संयम की प्रेरणा देते हुए कम खाने वाले जल्दी जल्दी नहीं मरते बल्कि ज्यादा खाने वाले जल्दी मरते हैं। खाना भी दिन में 2-3 बार निर्धारित समय से लेते है तो जीवन स्वस्थ व सुखी बन सकता है। साध्वी रौनकप्रभाजी ने चौबीसी की महत्ता व भक्तामर स्तोत्र का अर्थ व उसकी व्याख्या की। साध्वी मनीषाप्रभाजी ने आज पर्युषण पर्व की रणभेरी बज चुकी है सब जागे और आत्मा के लिए कार्य करे। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में जैन धर्म सर्वोत्कृष्ट धर्म है जहां की सभ्यता आज भी जीवंत है, प्रासंगिक है। जैन धर्म के आर्कषण का मुख्य बिन्दु है त्याग एवं तप। जिससे इसकि तेज निरंतर बढ़ रहा है। खाद्य संयम रूपी तप हमेशा करते रहने से हमारे वात, पित, कफ तीनों संतुलित रहते है। सुश्री छवि सेठिया के अठाई तप में 8 दिनों की तपस्या की। मुख्य प्रवचन को बाद कन्या मण्डल ने संयम एक्सप्रेस द्वारा पर्युषण होने में करणीय कार्य की सुन्दर व रोचक प्रस्तुति दी।

आत्मा को उज्ज्वल बनाने का पर्व है पर्युषण पर्व : साध्वीश्री उदितयशा

पर्युषण पर्व पर गांधीनगर तेरापंथ भवन में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में तेरापंथ सभा के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी की निश्रा में पर्युषण पर्व का प्रारंभ हुआ। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि पज्रोसवणा, पर्युषण आदि शब्दों का अर्थ बताते हुए जन्म पर्व, कर्म पर्व एवं धर्म पर्व की व्याख्या की। तीर्थंकर का जन्म ही पर्व होता है। पर्युषण पर्व धर्म है।आत्मा को उज्वल बनाने का पर्व है पर्युषण पर्व। साध्वीश्री भगवान महावीर की जीवनी को बताते हुए सम्यक्त्व प्राप्ति के उस दुर्लभ क्षण की महत्ता बताई साध्वी संगीतप्रभाजी ने जैन धर्म की प्राचीनता पर प्रकाश डालते हुए जैन,बौद्ध, वैदिक धाराओं की लोकप्रियता के बारे में बताया। इस अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ को इस धर्म एवं कर्म युग का प्रवक्ता बताते हुए यौगालिक युग की रीति नीति से अवगत कराया। साध्वी भव्ययशाजी ने खाद्य सयंम पर अपने विचार व्यक्त करते हुए खाद्य संयम पर वैज्ञानिक एवम शारीरिक दृष्टि से रोचक तथ्य प्रस्तुत किए। वर्तमान समय में डाइटिंग के बढ़ते हुए क्रेज पर अपने विचार प्रकट करते हुए उन्होंने डाइटिंग की सही परिभाषा बताई । केवल जो आहार हम करते है, वहीं हमारे पौषण के लिए पर्याप्त नहीं है। सूर्य का प्रकाश, बाहरी हवा जैसे तत्व भी हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है । इनके सहारे मनुष्य बिना भोजन के भी लंबे समय तक जी सकते है। नंगे पांव चलकर भी हम पृथ्वी से आवश्यक पोषक तत्वों को प्राप्ति कर सकते हे

पर्युषण पर्व व्यवस्था संयोजक रजत बैद ने व्यवस्था संभाली। जाप संयोजक राजेंद्र बैद ने पर्युषण महापर्व में नियमित अखंड जाप की जानकारी दी। सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभा की व्यवस्थाओं, गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की तथा तेरापंथ युवक परिषद,महिला मंडल,प्रोफेशनल फोरम, अणुव्रत समिति आदि को व्यवस्थाओं में सहयोग करने हेतु साधुवाद दिया। इस मौके पर पर्युषण पर्व व्यवस्था प्रायोजक हनुमानमल, संजय बैद परिवार, संघ यात्रा सूरत के प्रायोजक पारसमल अशोककुमार भंसाली परिवार को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर महासभा से प्रकाश लोढ़ा. संजय बांठिया, नवनीत मुथा, युवा गौरव विमल कटारिया, अभातेयुप से पवन मांडोत उपस्थित थे। काउंटर व्यवस्था में प्रकाश बाबेल, बद्रीलाल पितलिया, राजेंद्र बाफना, प्रकाश कटारिया, दिलीप भंसाली, गौतम मांडोत का विशेष योगदान रहा ।

जिसकी आत्मा में दया वहीं बनता है तीर्थंकर : साध्वी नयदर्शाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी ने महापर्व के दूसरे दिन कहा कि श्रावक के मुख्य पांच कर्तव्य होते हैं। जैन धर्म का प्राण ही दया है जिस आत्मा में दया है वही तीर्थंकर बनते हैं और वह ही आत्मा सर्वपापों को छोड़ के करुणा भाव से अत्यंत भाविक होता है। जैन धर्म भी यही कहता है की तप करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है जो महावीर भगवान ने बताया है वही सही है और सत्य है ।

जगत् के प्रत्येक जीव को है जीने का अधिकार : आचार्यश्री अरिहंतसागर

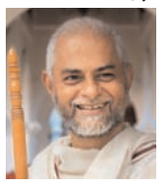

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सिमंधर शान्तिसूरी जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने संभवनाथ भवन में पर्युषण पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जगत् के प्रत्येक जीव को आंतरिक सुखशांति प्रदान करे वही वास्तव में श्रेष्ठ धर्म कहा जा सकता है। ऐसे धर्म की प्राप्ति के लिए साधक को बाह्य जगत में शांति फैलाने के यथासंभव प्रयास करने चाहिए। जैन धर्म की यह एक अनोखी प्रेरणा है कि आप आपकी आंतरिक आत्मा में शांति दायक धर्म की उपासना बाह्य वातावरण में शांति फैलाने की पूर्व तैयारी के साथ करें और इसलिए जैन धर्म के प्रत्येक कार्य में किसी ने किसी रूप से अहिंसा जुड़ी हुई होती है। शास्त्रीय परिभाषा में इसे 'अमारी प्रवर्तन' कहते हैं जो पर्युषण में करने योग्य कुल पांच कर्तव्यों में से प्रथम कर्तव्य है। अमारी प्रवर्तन नमक यह कर्तव्य गहन रूप से समझने जैसा है। ' मारी' यानी किसी को मारने की प्रवृत्ति और उसका निषेध या निवारण यानी 'अमारी'। जैन दर्शन में 'अमारी' का स्वरूप व्यापक स्तर का है क्योंकि जैन धर्म मात्र मानव दया या प्राणी दया की विचारधारा तक सीमित नहीं है बल्कि जगत के प्रत्येक जीव की दया के आदर्श सिद्धांत का हिमायती है।भारतीय संस्कृति और धर्म में जीव दया की प्रेरणा और उपदेश गूंथा हुआ है और उसमें भी जैन धर्म शास्त्रों ने जीव दया की विस्तृत प्रेरणा प्रजा को दी हैं और इसी के फल स्वरुप एक आदर्श और पर्यावरण हितैषी जीवन शैली प्रजा में विकसित हुई है और इसके मद्देनजर पर्युषण पर्व के दिनों में गांव-गांव में जैन महाजनों द्वारा भूतकाल में कल्लखाने बंद रखवाकर और हिंसक प्रवृत्तियों करने वाले को उदारता पूर्वक दिल जीत कर हिंसक प्रवृत्तियों को दूर करते।

अग्रवाल युवा संघ द्वारा जुम्बा और साइक्लोथॉन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सर्जापुर स्थित डेकाथलॉन स्पोर्ट्स ग्राउंड पर मायुम सेंट्रल के तत्वावधान में अग्रवाल युवा संघ द्वारा जुम्बा और साइक्लोथॉन का आयोजन किया जिसमें 400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। जुम्बा और साइक्लोथॉन का आयोजन स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ विभिन्न समुदाय में सौहार्द की भावना को भी बढ़ावा देना था। अग्रवाल युवा संघ का प्रतिनिधित्व अध्यक्ष रोहित केडिया, सचिव अंकित गोयल, उपाध्यक्ष विनोद गर्ग, सहायक कोषाध्यक्ष कौशल तुलस्यान तथा मायुम सेंट्रल का प्रतिनिधित्व अध्यक्ष शिशिर अग्रवाल, सचिव गौतम लोहिया, कोषाध्यक्ष आयुष भीमसरिया आदि ने किया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, नरेश गुप्ता और गणेश मित्तल ने उपस्थित होकर युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल और सचिव सुनीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता तायल सहित अनेक सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। आयोजकों ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

'जीण मां के दीवाने' संस्था के वार्षिकोत्सव की तैयारी जोरों पर, बैठक आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जीण माँ के दीवाने संस्था द्वारा 15 सितम्बर को ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में वार्षिकोत्सव व भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बताया कि इस भजन संध्या कार्यक्रम में कोलकाता के भजन गायक नीरज अग्रवाल व सोनी अरोड़ा संगीयमय मंगलपाठ व भजनों की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा अन्य कलाकार जीण माता के जीवन चरित्र पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देंगे। इस वार्षिकोत्सव को सफल बनाने के लिए तैयारी बैठक में अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि हैदराबाद के विशेष सजावट कलाकारों द्वारा भव्य दरबार सजाया जाएगा तथा संस्था द्वारा छप्पन भोग, चुनड़ी उत्सव व जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस बैठक में ओमप्रकाश मित्तल, अनिल सुल्तानिया, गोविंद सुल्तानिया, सुरेश खंडेलवाल, मितेश खंडेलवाल, रूपेश अग्रवाल, नन्दकिशोर चौधरी के साथ महिला समिति सदस्य की उपस्थिति रही।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com